दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 170
मुरादाबाद
(Saturday)
10 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

योगी कैबिनेट का फैसलाः 18 शहरों में चलेंगी 1,725 एसी इलेक्ट्रिक बसें, 12 साल का होगा अनुबंध

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक्सप्रेसवे, मेट्रो, आरआरटीएस और हवाई सेवाओं के विस्तार से उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' करने का प्रस्ताव पारित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक के बाद प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि

नोएडा एयरपोर्ट का नाम 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' करने का प्रस्ताव पारित

अयोध्या में 500 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ है।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण भी प्रधानमंत्री जैसे साधक की सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेश से मां अन्नपूर्णा की मूर्ति वापस लाकर पुनः स्थापित कराना भी प्रधानमंत्री के प्रयासों का महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने प्रधानमंत्री के योगदान की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मीय संबंध है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, लेकिन डबल इंजन सरकार में उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा उत्तर प्रदेश को प्राथमिकता दी है और प्रदेश सरकार इसके लिए उनकी आभारी है।

मुख्यमंत्री के मुताबिक, प्रदेश में एक्सप्रेसवे, हाईवे, क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) और मेट्रो का संचालन हो रहा है। जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास सहित हवाई सेवाओं के विस्तार से एयर कनेक्टिविटी मजबूत हुई है।

लॉजिस्टिक हब के रूप में उभर रहा प्रदेश- मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण उत्तर प्रदेश लॉजिस्टिक हब के रूप में उभरा है। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई और पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क जैसी परियोजनाएं औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे रही हैं। इससे निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीबों, वंचितों, पिछड़ों और महिलाओं के उत्थान के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री के अनुसार, किसानों को एक लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्रदेश में 65 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने, 3.67 करोड़ राशन कार्डधारकों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न देने और लाखों परिवारों तक नल से जल पहुंचाने की बात भी उन्होंने कही। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए प्रदेश में 6.08 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रदेश के 18 शहरों में जल्द ही 1,725 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। इसमें लखनऊ, अयोध्या सहित ये शहर शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश की नगरीय परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके तहत उत्तर प्रदेश के 18 शहरों में ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल पर 1,725 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन को व्यवस्थित करने के साथ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

योजना के अंतर्गत आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मथुरा-वृंदावन, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, शाहजहांपुर, सहारनपुर, वाराणसी और नोएडा (जेवर सहित) में बसें संचालित की जाएंगी।

इनमें 9 मीटर और 12 मीटर लंबाई की वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें शामिल होंगी। अनुबंध की अवधि वाणिज्यिक संचालन शुरू होने की तारीख से 12 वर्ष निर्धारित की गई है।नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रदेश के 18 शहरों में जल्द ही 1,725 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। इनमें आगरा में 100, मथुरा-वृंदावन में 50, अलीगढ़ में 25, फिरोजाबाद में 25, गाजियाबाद में 100, मेरठ में 100, शाहजहांपुर में 25, बरेली में 25, मुरादाबाद में 25, सहारनपुर में 25, नोएडा (जेवर सहित) में 100, वाराणसी में 250, अयोध्या में 50, लखनऊ में 300, गोरखपुर में 150, कानपुर में 300, प्रयागराज में 50 और झांसी में 25 बसें चलाई जाएंगी।जीसीसी मॉडल के तहत निजी ऑपरेटर बसों की खरीद, चार्जिंग स्टेशन के लिए आवश्यक चार्जर की व्यवस्था, बस चालक एवं तकनीकी कर्मचारियों की तैनाती तथा बसों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी संभालेंगे। निर्धारित प्रदर्शन मानकों के आधार पर ऑपरेटरों को संचालन एवं रखरखाव शुल्क (ओएंडएम फी) का भुगतान किया जाएगा। वहीं, टैरिफ/प्रयोक्ता शुल्क निर्धारण सरकार द्वारा किया जाएगा। बसों की खरीद पर मिलेगा अनुदान- परियोजना के तहत 12 मीटर लंबी प्रत्येक इलेक्ट्रिक बस के लिए 40 लाख रुपये और 9 मीटर लंबी बस के लिए 35 लाख रुपये का अनुदान देने का निर्णय लिया गया है। बसों के संचालन के लिए डिपो निर्माण हेतु संबंधित नगर निगमों और नोएडा प्राधिकरण की ओर से आवश्यकतानुसार भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। निजी निवेश से सेवाओं में सुधार की उम्मीद-सरकार के अनुसार, निजी निवेश के माध्यम से बस संचालन में सरकारी व्यय का बोझ कम होगा और सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। निजी ऑपरेटर दक्षता, समयबद्धता एवं उपभोक्ता संतुष्टि पर विशेष ध्यान देंगे। निजी ऑपरेटरों को प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिससे नवीनतम तकनीक एवं सेवा सुधार लागू होंगे। निजी ऑपरेटर निविदा प्रक्रिया से चयनित होकर अनुबंधित किए जाएंगे और उपभोक्ताओं को सीधा लाभ प्राप्त होगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतवंशी नवी पिल्लई को शांति का नोबेल: युद्ध अपराधों में न्याय दिलाने के लिए चुनी गईं नवनीतम, ट्रंप फिर चूके

दक्षिण अफ्रीका की न्यायविद् नवनीतम नवी पिल्लई को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। उन्हें शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। वह संयुक्त राष्ट्र की पूर्व मानवाधिकार उच्चायुक्त और रवांडा के अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण की पूर्व अध्यक्ष रह चुकी हैं।दक्षिण अफ्रीका की जानी-मानी न्यायविद् नवनीनम %नवी% पिल्लई को वर्ष 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। यह घोषणा नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में की गई। उन्हें शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे और प्रभाव को व्यापक बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। रवांडा के अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण में जज रहते हुए उनके प्रभाव से ही यह अभूतपूर्व कानूनी सिद्धांत स्थापित हुआ कि दुष्कर्म और यौन हिंसा को मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार का हिस्सा माना जा सकता है। इसी मामले में उनकी दूरदर्शिता से एक और कानूनी सफलता मिली, जब पहली बार केवल नफरती प्रोपेगैंडा फैलाकर नरसंहार भड़काने के आधार पर किसी आरोपी पर मुकदमा चलाया गया। उन्होंने अपनी निष्पक्षता, विशेषज्ञता और दृढ़ता से यह साबित किया कि कानूनी तंत्र युद्ध और हिंसा के कृत्यों को रोकने में कारगर हो सकते हैं।

कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर मायावती बोलीं- बहुजन समाज को शोषित से शासक बनाया; लखनऊ में होगी रैली

बसपा संस्थापक कांशीराम के शुक्रवार को 20वें परिनिर्वाण दिवस पर बसपा सुप्रीमो मायावती मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ईशान आनंद दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी के संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने देश में सदियों से पिछड़े और शोषित बहुजन समाज को वोट की ताकत के जरिए सत्ता की मास्टर चाबी सौंपने और उन्हें शासक वर्ग बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया। मायावती ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान के आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके इसी मिशनरी संकल्प का परिणाम था कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बसपा की चार बार सरकार बनीमहापुरुषों के विचारों को जमीन पर उतारा- पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बसपा सरकारों के दौरान सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के ऐतिहासिक कार्य किए गए। इस दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले, श्री नारायणा गुरु, छत्रपति शाहूजी महाराज और डॉ. बी.आर. आंबेडकर जैसे महान संतों व महापुरुषों के समतावादी विचारों को धरातल पर उतारकर संविधान की पवित्र मंशा को पूरा किया गया।मायावती ने यह भी रेखांकित किया कि उत्तर प्रदेश में बसपा शासन के दौरान अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में %कानून द्वारा कानून का राज% स्थापित किया गया। जनहित और विकास के कार्यों के जरिए एक पारदर्शी और जन-कल्याणकारी सरकार देना ही कांशीराम को पार्टी की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि है। परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बसपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने भी कांशीराम के अधूरे मिशन को पूरा करने का संकल्प दोहराया।बसपा संस्थापक कांशीराम के शुक्रवार को 20वें परिनिर्वाण दिवस पर बसपा सुप्रीमो मायावती मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ईशान आनंद दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। हाल ही में पार्टी में वापसी के बाद दोबारा राष्ट्रीय संयोजक बनाए गए आकाश आनंद का कार्यक्रम अभी तय नहीं है। राजधानी के कांशीराम स्थल में होने वाले मुख्य कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल को मुख्य अतिथि बनाया गया है। वहीं, राजधानी में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता और समर्थक आने लगे हैं। शहर में बड़े पैमाने पर नीले रंग के पोस्टर लगाए गए हैं। बसपा नेताओं का अनुमान है कि कार्यक्रम में करीब कई लाख लोग शिरकत करेंगे। हालांकि, बीते वर्ष की तरह मायावती इसे संबोधित नहीं करेंगी। समर्थकों को उम्मीद थी कि इस कार्यक्रम को संबोधित करने की जिम्मेदारी आकाश आनंद को दी जा सकती है।

खरगे का मोदी सरकार पर आरोपःकहा- भाजपा सिर्फ आर्थिक आतंकवाद लागू करती है, पूंजीपति मित्रों को पहुंचा रही फायदा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा घटने से चुनिंदा कंपनियों का प्रभाव बढ़ा है। उन्होंने दूरसंचार और विमानन क्षेत्र के उदाहरण देकर अपनी बात रखी और छोटे उद्योगों तथा रोजगार की स्थिति पर चिंता जताई।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर अर्थव्यवस्था के अलग-अलग क्षेत्रों में एकाधिकार और दो कंपनियों के दबदबे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक नीतियां चुनिंदा पूंजीपति समूहों के पक्ष में हैं और इससे भाजपा को फायदा पहुंच रहा है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार की आर्थिक नीति का मकसद अपने पसंदीदा पूंजीपतियों को अर्थव्यवस्था का नियंत्रण सौंपना है। इसके बदले भाजपा मुनाफे में अपना हिस्सा बनाए रखना चाहती है।राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, पीएम मोदी की आर्थिक नीति का उद्देश्य अपने पसंदीदा पूंजीपति मित्रों को अर्थव्यवस्था

का नियंत्रण सौंपना है। ताकि बदले में भाजपा मुनाफे में अपना हिस्सा बनाए रखे। प्रतिस्पर्धा खत्म करके एकाधिकार और दो कंपनियों के दबदबे वाली व्यवस्था लागू कर उन्होंने सिर्फ भाजपा का खजाना भरने का काम किया है और आर्थिक उदारीकरण की नींव को बर्बाद कर दिया है। खरगे ने दूरसंचार क्षेत्र का उदाहरण देते हुए दावा किया कि 2014 से पहले इस क्षेत्र में 13 कंपनियां थीं, जबकि अब केवल तीन प्रमुख निजी कंपनियां बची हैं। उन्होंने घरेलू विमानन क्षेत्र का भी जिक्र किया। खरगे के मुताबिक, 2014 से पहले इस क्षेत्र में सात प्रमुख कंपनियां थीं, लेकिन अब इनकी संख्या घटकर दो रह गई है। खरगे क्यों बोले- ये आर्थिक आतंकवाद-उन्होंने कहा, चाहे डिजिटल भुगतान हो, सीमेंट हो या फूड डिलीवरी एप, हर जगह सरकार की प्राथमिकता प्रतिस्पर्धा खत्म करने की रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत कांग्रेस ने की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने फायदे के लिए ऐसी नीतियां अपना रही है, जिसे उन्होंने आर्थिक आतंकवाद करार दिया। खरगे ने दावा किया कि सरकार की नीतियों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के साथ ही दूसरे छोटे और मध्यम उद्योगों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने देश के युवाओं में गंभीर बेरोजगारी की स्थिति के लिए भी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, भाजपा सिर्फ अपने फायदे के लिए आर्थिक आतंकवाद (इकोनॉमिक टेररिज्म) लागू करती है। इसके परिणामस्वरूप एमएसएमई और दूसरे छोटे तथा मध्यम उद्योग पूरी तरह ठप हो गए हैं और हमारे युवा गंभीर बेरोजगारी के अभिशाप को झेल रहे हैं। श्रम प्रमाणन कार्यक्रम (परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम) को निलंबित किए जाने और इसके प्रमुख भारतीय आईटी कंपनियों पर पड़ने वाले असर को लेकर सवाल उठाए।

हमारा आंदोलन होकर रहेगाः प्रदर्शन की इजाजत न मिलने पर बोले दीपके , मेट्रो और ट्रेन रोके जानें पर की आलोचना

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने और ट्रेनों के रद्द होने पर सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि हमारा आंदोलन होकर रहेगा। एसआईआर में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन के लिए दिल्ली मेट्रो के 57 स्टेशन बंद करने के आग्रह पर भी विवाद बढ़ गया है।कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन से एक दिन पहले, शुक्रवार को इसके संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अगर सरकार युवाओं से डरती है, तो उसे पूरे देश को ही बंद कर देना चाहिए। यह बयान 10 अक्तूबर को राष्ट्रीय राजधानी आने-जाने वाली ट्रेनों के रद्द होने के बाद आया है। इसके साथ ही कहा कि हमारा आंदोलन होकर रहेगा। सीजेपी ने चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) में भारी गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है।कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा, हमारा आंदोलन होकर रहेगा। जंतर-मंतर विरोध प्रदर्शन के लिए तय जगह है। 13 करोड़ वोट हटाने से पहले इजाजत ली थी? आप चाहते हैं कि हम चुनाव में धांधली करने वालों के खिलाफ आवाज न उठाएं? ऐसा नहीं हो सकता। देश ऐसे नहीं चल सकता। देश को बचाने के लिए हम विरोध प्रदर्शन करेंगे।

संपादकीय Editorial

A Pilot with a 'Jihadi' Mindset

The co-pilot who fatally attacked his own pilot, Captain Smit Machhar, in the heights of the sky was a man with a 'Jihadi' mindset, a terrorist mindset. Initial investigations have revealed this. He was influenced by Ayman al-Zawahiri, the former leader of al-Qaeda. His photos and statements have been found in his LinkedIn posts. Terrorist, jihadi, and radical views have also been found on the co-pilot's social media accounts. Pamphlets with the slogan 'Free Palestine' have also been found in his possession. Whether he was associated with al-Qaeda or another terrorist organization, or who incited and lured him to crash the plane, remains unclear from the investigation so far. However, the attacking pilot, Hammam al-Hamami, has admitted that he intended to crash the plane at Israel's Tel Aviv airport, killing Jewish passengers as well as those on the ground. Such a plan and intention for genocide clearly demonstrates that the pilot, Hamami, was a suicide bomber. His death in the crash was inevitable, but he hated Jews so intensely that he was determined to kill them. This wasn't a terrorist attack like 9/11. The World Trade Center in New York was targeted. It was considered a symbol of American capitalism, imperialism, arrogance, and power. Al-Qaeda's founding leader, Osama bin Laden, wanted to shock and frighten the rest of the world by destroying the symbol of America. Al-Qaeda's terrorism succeeded in its goal and objective, as 5,232 people were killed in that terrorist attack. This is the official government figure. The plane from Dubai to Tel Aviv carried 174 passengers, of whom more than 150 were reportedly Jewish.

Al-Qaeda must have misled countless educated young men into becoming terrorists and suicide bombers! Experts estimate that the current trend is unlikely to end here. There are so many flaws and contradictions in the foreign policies of governments and countries that even "jihadi" figures have been given highly sensitive and humanitarian assignments like piloting. This isn't the first time. Israeli government policy is that aircraft and pilots from countries with which it doesn't have diplomatic relations are generally barred from entering Israel. When Oman Airlines banned Hamami from flying due to his radical views, how did he get a job in Dubai? And how did he become the co-pilot of a plane bound for Tel Aviv, Israel? Could there be a more horrific and criminal mistake than this? Many such perplexing questions will emerge during the investigation. However, in this aerial attack and potential accident, the pilot of the plane, Captain Smith, has emerged as a "global hero." Despite being injured and bleeding, he managed to control the plane, even giving code 7500 before the plane had been hijacked. It also led to an emergency, safe landing in Saudi Arabia, and ultimately saved 174 lives. This could also be the spiritual miracle of the Hanuman Chalisa. This is a matter of faith. Captain Smit is currently undergoing treatment in the United Arab Emirates. Prime Minister Modi spoke to him by phone and inquired about his health. Dubai's Crown Prince, Sheikh Hamdan, visited him, kissed his forehead, and prayed for his recovery. However, this crisis and threat are not limited to West Asia. Terrorist thinking has potentially penetrated aviation services worldwide, and anything can happen! Imagine how the rest of the world would react to the Indian pilots if a deadly fight in the cockpit had resulted in a massive tragedy. Since the truth is unclear and the pilots were Indians, India as a country could have faced criticism and sanctions! European and Western countries could have banned Indian pilots. Now it is clear that India is a nation that saves lives, and Captain Smit exemplifies that. Captain Smit has received worldwide praise.

A Desperate Campaign

Opposition parties are deliberately ignoring the fact that the narrative of disagreement between the Election Commissioners has been blunted. Opposition parties are waging a desperate campaign against the Election Commission. Protests Despite the Supreme Court's approval of the SIR, Attempts to tarnish the Election Commission's reputation have been criticized. To serve their narrow political interests, opposition parties have taken to the streets to launch a campaign against the Election Commission, and especially Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. Both Election Commissioners should also come forward to counter this, as they are important members of the same constitutional institution whose reputation is being sought to be destroyed. The Supreme Court should also take cognizance of this, as it is aware of every aspect of the Special Intensive Revision of Electoral Rolls (SIR) and has repeatedly given its approval to this process. If it does not intervene in this matter, a campaign to defame them and other constitutional institutions could be launched tomorrow. Democracy derives its strength from its institutions. Weakening them means undermining democracy itself. Until now, the opposition was only doing this by blowing baseless allegations and minor flaws in the SIR process out of proportion, but now it is attempting to resort to anarchy under the guise of a peaceful protest. Provocative slogans against the Election Commission, misleading the public, are not a good sign. There is no doubt now that the cockroach Janata Party shares the same agenda as the frustrated opposition. Opposition parties are losing their temper because their arguments against the SIR are failing before the Supreme Court. The Kerala government's reopening of a twenty-year-old case against the Chief Election Commissioner not only reflects the Congress's frustration but also indicates its lack of understanding. Opposition parties are deliberately ignoring the fact that the narrative they created regarding disagreement between the Election Commissioners has become weak. Nothing could be more unfortunate than the fact that the Election Commission, which has earned a reputation globally and enhanced the prestige of Indian democracy by consistently improving the electoral process, is being tarnished by opposition political parties with fabricated allegations. Everyone is aware that there are widespread inaccuracies in the voter lists, and that these can only be corrected through the SIR.

However, it is being opposed based on the false allegation that it benefits a particular political party. If this is indeed the case, then how did the Congress come to power in Kerala and how did the opposition party win in Tamil Nadu?

Strong Preparations for the Next Reforms

The growing maturity of GST provides us with a strong foundation for the next phase of reforms. The 'Next-Generation GST' aims to reduce tax rates and simplify compliance. The Indian economy has grown, with significant increases in tax collection. Businesses and households have benefited, and states have actively participated. India's commitment to becoming a 'developed India' requires an economy where enterprises of all levels and sizes can flourish, regardless of their origins. Over the past twelve years, our government has worked tirelessly to create these favorable conditions. The implementation of GST (Goods and Services Tax) in 2017 established a common national framework for indirect taxation. The 'Next-Generation GST' builds on this effort, building on nine years of implementation and the experiences of taxpayers and states. In line with Prime Minister Narendra Modi's vision, the Next-Generation GST was conceived with two interconnected objectives: reducing and rationalizing tax rates and simplifying compliance. The rate revisions took effect on September 22, 2025. The next phase of procedural reforms will soon be presented to the GST Council. Together, these efforts aim to provide relief to households, greater certainty to businesses, and ensure a system for taxpayers to discharge their obligations without undue hardship. States have been equal partners throughout this journey. They brought their priorities and experiences to the Council, contributed to shaping decisions, and assumed responsibility for their implementation. GST progress rests on this willingness to move forward towards a shared national goal while respecting the responsibilities of each government. The results strengthen confidence. The value of taxable supplies recorded between October 2025 and July 2026 increased by 25.8 percent compared to the same period last year. The relaxed tax rate structure, coupled with a substantial expansion in recorded economic activity, has provided a highly encouraging foundation for a reform that aims to strengthen both enterprises and public finances. This strength is evident in recent revenue data. Gross GST collections during April-September 2026 reached ?12.46 lakh crore, an increase of 11.6 percent over the same period last year. Each month from June to September recorded double-digit growth on an annual basis. The combined growth for these four months was nearly 15 percent. Net collections after refunds also increased by 10.4 percent during this half year. Thus, relief provided to taxpayers and increased resources available for development have gone hand in hand. The scope of this expansion is as significant as its scale. Increases in taxable supply were recorded across all 11 sector groups and all major states. This widespread dispersion is crucial in a diverse economy like India. This growth across sectors and geographies allows more businesses to participate in expanding markets, and the resulting demand, investment, and employment benefit more communities. When the impact of tax relief is reflected in prices, households have more room to meet other needs or save. Consumer relief and enterprise growth are deeply intertwined. Household purchasing power sustains demand for goods and services provided by businesses. This benefits flow from households to retailers, suppliers, and producers. Participation in this system has been extremely widespread. By the end of August, total GST registrations across central and state jurisdictions reached approximately 17.1 million, an increase of nearly 15 percent from a year ago. The functioning of input tax credit (ITC) is another important aspect of this experience. Post-reform data shows that the proportion of tax liability paid through input tax credit has increased, while the accumulated credit relative to taxable supplies has decreased. This is encouraging for businesses that depend on the effective use of eligible credit. For a small enterprise, its working capital determines how easily it can purchase raw materials, fulfill an order, and take on the next project. Tax refunds are equally relevant. Approximately ?1.80 lakh crore was returned as refunds during April-September. The revenue position of states has also strengthened. Total SGST receipts of states, including their share of Integrated Goods and Services Tax (IGST) settlements, increased by approximately 16 percent during April-September this year. The proposals to be placed before the GST Council on October 7 have been developed through continuous consultation and coordination with the states. These proposals address registration, returns, refunds, dispute resolution, and smooth flow of input tax credits, aiming to reduce compliance time and costs. Taxpayer experience should remain the key guideline in implementation.cope of GST maturity provides a strong foundation for the next phase of reforms. Clarity, specificity, and transparency are essential.

A Selfless Karmayogi

Ashok Singhal was a selfless Karmayogi who dedicated his entire life to strengthening India's self-respect and the Ram Janmabhoomi movement. Ashok Singhal awakened India's self-respect and self-awareness. A key leader of the Ram Janmabhoomi movement and a pioneer of social harmony, his life is an inspiring chapter of dedication, organization, and Karma Yoga. This is a time of epoch-making for India. The entire nation is resolving to build a new India with renewed confidence. India is moving beyond self-reproach and toward self-respect, and its self-awareness is awakening. This transformation can be called India's resurgence. Among the great men whose tireless efforts awakened India's self-awareness and instilled self-confidence in Hindu society, the name of the Honorable Ashok Singhal is at the forefront. To express their respect for him, society addressed him with many epithets—some called him the Hindu Hriday Samrat, some the pioneer of the Ram Janmabhoomi movement, some the hero of Hindu revival, and some the commander of the national awakening campaign. Dedicated to God—But if Ashok ji's personality were to be described in just one word, that word would be—Karmayogi. He worked selflessly. If he succeeded in any task, he would dedicate it to God instead of taking credit for it himself, and he remained detached from the fame that came with success. Even after reaching the pinnacle of fame, he never desired fame. He would not be at ease if he was praised in his presence. Rising above honor and dishonor, fame and infamy, and continuing equanimously on the path of duty is the hallmark of a Karmayogi and a true volunteer—and this quality was clearly visible in Ashok ji's life. Dedication of talent to national work—Ashok ji was a student of extraordinary talent and a sharp intellect.

फर्जी प्रवेशपत्र लेकर पुलिस भर्ती में दौड़ लगाने पहुंची युवती, लद्दाख में तैनात सैन्यकर्मी ने बनाया

मुरादाबाद की नौवीं वाहिनी पीएसी मैदान में सिपाही भर्ती की दौड़ लगाने पहुंची अमरोहा निवासी कुमारी साहिबा को फर्जी प्रवेशपत्र के साथ पकड़ लिया गया। लिखित परीक्षा में फेल होने के बावजूद उसने भर्ती में शामिल होने की कोशिश की। प्रवेशपत्र में 10 की जगह नौ अंकों का अनुक्रमांक मिलने पर फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। मुरादाबाद की नौवीं वाहिनी पीएसी के मैदान में बृहस्पतिवार की सुबह सिपाही भर्ती में दौड़ लगाने पहुंची फर्जी महिला अभ्यर्थी पकड़ी गई। साथ ही फर्जी प्रवेशपत्र बनाने में मदद करने वाले आरोपी सैन्यकर्मी के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रवेशपत्र में 10 की जगह नौ अंकों का अनुक्रमांक मिलने पर चेकिंग स्टाफ को शक हुआ। फिर पूछताछ में मामले का खुलासा हुआ। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि गिरफ्तार की गई युवती कुमारी साहिबा अमरोहा जिले के देहात थाना क्षेत्र के कारहट उर्फ रामहट की रहने वाली है। लिखित परीक्षा में फेल होने के बावजूद उसने सिपाही बनने के लिए फर्जीवाड़ा की कोशिश की। गेट पर सुबह 6:45 बजे कुमारी साहिबा ने प्रवेशपत्र दिखाकर प्रवेश करने का प्रयास किया।शक होने पर ड्यूटी पर लगे पुलिसकर्मियों ने उससे पूछताछ की तो उसने सच्चाई उगल दी। उसने बताया कि वह लिखित परीक्षा में फेल हो गई थी। इसके बाद बरेली में रहने वाली उसकी सहेली अस्मिता मलिक के भाई व सैन्यकर्मी कादिर हुसैन ने व्हाट्सएप पर उसे फर्जी प्रवेशपत्र भेजा था। कादिर हुसैन की तैनाती फिलहाल लद्दाख में है।फर्जी एडमिट लेकर दौड़ लगाने पहुंची युवती कुमारी साहिबा और कादिर हुसैन के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और परीक्षा अधिनियम के तहत सिविल लाइंस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। – कुमार रण विजय सिंह, एसपी सिटी पकड़े जाने पर हो गई बेहोश, एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया– साहिबा का खेल पकड़ा गया तो वह मैदान में ही बेहोश हो गई। ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को मौके पर बुलाया। डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे जिला अस्पताल भेज दिया, जहां उपचार कराने के बाद उसे वापस नौवीं वाहिनी पीएसी में लेकर आया गया। सबूत मिटाने के लिए तोड़ दिया मोबाइल– उपचार कराने के बाद युवती को दोबारा मैदान में लाया गया तो वह फिर से दौड़ लगाने की जिद करने लगी। पुलिस टीम ने उसके प्रवेशपत्र, आधारकार्ड और मोबाइल कब्जे में लेने का प्रयास किया। इसी दौरान युवती ने अपना मोबाइल तोड़ दिया और सबूत मिटाने की कोशिश की।

लिखित परीक्षा में फेल, घर में बताया पास हो गई–यूपी पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती परीक्षा के परिणाम आने पर साहिबा ने अपने घर, रिश्तेदार और परिचितों को बताया था कि वह पास हो गई है। इसके बाद से वह दौड़ परीक्षा में शामिल होने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार कराने में जुट गई थी।

तालाब की सुरक्षित भूमि पर प्रशासन की सख्ती, अवैध कब्जे से 0.0500 हेक्टेयर भूमि कराई गई मुक्त

राजस्व एवं पुलिस टीम की संयुक्त कार्रवाई से रतनपुर कलां में हटाया गया अवैध कब्जा सरकारी एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत उपजिलाधिकारी बिलारी श्री प्रिंस वर्मा के निर्देशन में राजस्व विभाग ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए ग्राम रतनपुर कलां में तालाब की सुरक्षित भूमि से अवैध कब्जा हटाकर लगभग 0.0500 हेक्टेयर भूमि को कब्जामुक्त कराया। उपजिलाधिकारी बिलारी श्री प्रिंस वर्मा ने बताया कि ग्राम रतनपुर कलां के गाटा संख्या 852क, रकबा 0.7890 हेक्टेयर भूमि का राजस्व अभिलेखों में तालाब के रूप में अंकन है यह भूमि सुरक्षित श्रेणी की होने के कारण इस पर किसी भी व्यक्ति को भूमिधरी अधिकार प्राप्त नहीं हो सकता।

मौके पर जांच के दौरान पाया गया कि ग्राम रतनपुर कलां निवासी धर्मेन्द्र, मुकेश एवं नरेन्द्र पुत्रगण तेजपाल सिंह द्वारा तालाब की इस भूमि पर अस्थायी रूप से अवैध कब्जा किया गया था। इस पर राजस्व विभाग की टीम ने थाना पाकबड़ा की पुलिस बल की उपस्थिति में मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा हटाया और लगभग 0.0500 हेक्टेयर भूमि को कब्जामुक्त कराते हुए सार्वजनिक उपयोग की भूमि की स्थिति बहाल कराई।

निशानेबाज से यूपी पुलिस का सिपाही: CM योगी ने मोहित पाल को सौंपा नियुक्ति पत्र, कहा- अब प्रदेश सेवा के साथ जीतूंगा गोल्ड

राष्ट्रीय शूटर मोहित पाल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही पद का नियुक्ति पत्र सौंपा। मुरादाबाद के मोहित अब पुलिस सेवा के साथ निशानेबाजी जारी रखेंगे और प्रदेश के लिए स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य रखते हैं।सिपाही बन सेवा के साथ निशानेबाजी में भी जारी रखेंगे सफरजिस हाथ में अब तक पदक जीतने के लिए निशाना साधने वाली बंदूक रही, वही हाथ अब उत्तर प्रदेश पुलिस की वर्दी में प्रदेश की सेवा करेगा। मुरादाबाद के नेशनल शूटर मोहित पाल ने मेहनत और लगन के दम पर खेल के मैदान से पुलिस विभाग तक का सफर तय किया है। गुरुवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित 470 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिए। इनमें मुरादाबाद के मोहित पाल भी शामिल रहे। दिल्ली रोड मझोला सम्राट अशोक नगर निवासी मोहित पाल का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर हुआ है। शूटिंग में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले मोहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में कई पदक जीत चुके हैं। अब पुलिस की नौकरी के साथ उनका निशानेबाजी का जुनून भी जारी रहेगा। मोहित के पिता हरि सिंह पाल रेलवे में सीनियर पार्सल बाबू के पद पर मुरादाबाद में कार्यरत हैं। बेटे को नियुक्ति पत्र मिलने की खबर से परिवार में खुशी की लहर है। स्वजन के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि मोहित ने खेल के साथ अपने करियर की नई मंजिल हासिल की है। मोहित का कहना है कि पुलिस की वर्दी पहनना गर्व की बात है, लेकिन उनका लक्ष्य यहीं रुकना नहीं है। अब वह उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए गोल्ड मेडल जीतने का सपना पूरा करना चाहते हैं। उनका सफर शहर के उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा है, जो खेल को केवल शौक नहीं बल्कि करियर बनाने का सपना देखते हैं। मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य पर नजर हो तो निशाना मंजिल पर जरूर लगता है।

मिशन संपूर्ण समाधान' के तहत आमजन की शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

जिले की चार तहसीलों में 20 जनशिकायतों का कराया गया अंतिम समाधान

प्रशासनिक स्तर से संचालित 'मिशन संपूर्ण समाधान' के अंतर्गत आमजन की शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है। जिलाधिकारी श्री अनुनय झा के निर्देश पर जनपद की प्रत्येक तहसील में जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों में से प्रतिदिन 05 शिकायतों का अंतिम एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

इसी क्रम में बृहस्पतिवार को जनपद की तहसील ठाकुरद्वारा, कांठ, सदर एवं बिलारी में 05-05, कुल 20 जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया गया। संबंधित उपजिलाधिकारियों एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा शिकायतों की नियमित समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों से जांच कराई गई तथा प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। निस्तारित प्रकरणों में शिकायतकर्ताओं को की गई कार्रवाई से अवगत भी कराया गया। तहसील ठाकुरद्वारा में राजस्व संबंधी शिकायतों का निस्तारण- तहसील ठाकुरद्वारा में शिकायतकर्ता श्रीमती राजकली, निवासी ग्राम मझौली एवं श्री मुकेश कुमार द्वारा विरासत दर्ज किए जाने के संबंध में शिकायत की गई थी। प्रकरण की जांच के उपरांत दोनों प्रकरणों में नियमानुसार विरासत दर्ज करा दी गई।

इसी प्रकार ग्राम ख्वाजापुर धन्तला निवासी श्री इन्दू सिंह की खतौनी में अंश दुरुस्त किए जाने संबंधी शिकायत का निस्तारण करते हुए अंश का संशोधन करा दिया गया। श्री अदनान, निवासी ग्राम रामनगर खागूवाला द्वारा खतौनी में अंश दुरुस्त किए जाने की शिकायत पर भी तहसील स्तर से जांच कराकर आवश्यक संशोधन कराया गया। वहीं श्रीमती सर्वेश देवी, निवासी ग्राम मडैया विजयरामपुर की मायके से जाति तस्दीक संबंधी शिकायत का भी नियमानुसार निस्तारण कराया गया।

तहसील कांठ में आपसी सहमति से विवादों का समाधान-तहसील कांठ में श्री उमाकांत सैनी की बालिग दर्ज किए जाने संबंधी शिकायत का उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 38(6) के अंतर्गत आवश्यक संशोधन कराकर निस्तारण किया गया। श्री उचित कुमार एवं श्री उदयराज सिंह की खेत की मेड़ काटने संबंधी शिकायत का दोनों पक्षों की आपसी सहमति के आधार पर समाधान कराया गया तथा मेड़ पर मिट्टी डलवाकर विवाद समाप्त कराया गया। इसी प्रकार श्री मनोज द्वारा राजस्व ग्राम पट्टी मौढ़ा से संबंधित शिकायत पर तहसीलदार द्वारा जांच कराई गई। दोनों पक्षों में आपसी सहमति बनने के उपरांत आवश्यक पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

तहसील सदर में राजस्व अभिलेखों की त्रुटियों का कराया गया सुधार-तहसील सदर में श्री परसोत्तम की राजस्व अभिलेखों में नाम एवं पिता के नाम में लिपिकीय त्रुटि संबंधी शिकायत का निस्तारण करते हुए अभिलेखों में आवश्यक शुद्धि कराई गई। श्री अख्तर की सही अंश दर्ज किए जाने संबंधी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए राजस्व अभिलेखों में सही अंश दर्ज कराया गया।

इसी क्रम में मौ. असलम की मृतक सद्दीकन के वारिसों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किए जाने संबंधी शिकायत का भी नियमानुसार निस्तारण करते हुए मृत्यु के उपरांत विरासत दर्ज करा दी गई।

तहसील बिलारी में अंश दुरुस्ती एवं वरासत संबंधी प्रकरणों का निस्तारण

तहसील बिलारी में श्री धान सिंह की शिकायत का निस्तारण करते हुए उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 38(6) के अंतर्गत ग्राम याहियापुर स्थित गाटा संख्या 151, रकबा 0.1900 हेक्टेयर में बैनामे के अनुसार अंश दुरुस्त कराया गया। श्रीमती प्रीति सक्सेना, निवासी ग्राम बहादरपुर के वरासत संबंधी प्रकरण का भी नियमानुसार निस्तारण कराया गया। इसके साथ ही ग्राम मुड़िया जैन की खतौनी में अंश दुरुस्तीकरण की कार्रवाई पूर्ण कर शिकायत का समाधान सुनिश्चित किया गया।

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा के निर्देश पर संचालित 'मिशन संपूर्ण समाधान' का उद्देश्य केवल शिकायतों का औपचारिक निस्तारण करना नहीं, बल्कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष जांच, नियमानुसार कार्रवाई एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है। प्रशासन द्वारा शिकायतों के निस्तारण की निरंतर समीक्षा की जा रही है, ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें समयबद्ध एवं प्रभावी प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

विद्युत बिल संशोधन, नए विद्युत संयोजन एवं आपूर्ति संबंधी समस्याओं का होगा समाधान

विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान के उद्देश्य से अक्टूबर माह में जनपद के विभिन्न विद्युत उपकेंद्रों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। अधीक्षण अभियंता विद्युत ग्रामीण श्री गुलशन गोयल ने बताया कि इन कैंपों के माध्यम से उपभोक्ताओं की विद्युत बिल संशोधन, नए विद्युत संयोजन, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य विद्युत संबंधी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी कैंप पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। निस्तारण के लिए आवश्यक कार्यवाही करेंगे। साथ ही, विभागीय उच्चाधिकारियों द्वारा समय-समय पर कैंपों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं शिकायत निस्तारण की प्रगति का जायजा भी लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कैंप आयोजन हेतु निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अक्टूबर माह में 10 अक्टूबर को दलपतपुर, 14 अक्टूबर को ताहरपुर, 17 अक्टूबर को भीतखेड़ा, 21 अक्टूबर को रतनपुर, 24 अक्टूबर को सरकड़ा खास, 28 अक्टूबर को मैनाठेर तथा 30 अक्टूबर को भैंसोड़ विद्युत उपकेंद्र पर कैंप आयोजित किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली प्रदर्शन का असर: कासगंज इंटरसिटी और देहरादून शताब्दी समेत कई ट्रेनें निरस्त, यात्रियों की आफत

दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन के कारण मुरादाबाद मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेनें प्रभावित होंगी। कासगंज इंटरसिटी और देहरादून शताब्दी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। नौ अक्टूबर को प्रारंभिक स्टेशन से चलने वाली कई ट्रेनें भी निरस्त दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन और यातायात संबंधी प्रतिबंधों का असर मुरादाबाद रेल मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों पर भी पड़ेगा। उत्तर रेलवे की नौ अक्टूबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्रीय दिल्ली में सुबह चार बजे से दोपहर दो बजे तक यातायात प्रभावित रहने की आशंका के चलते नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन पहुंचने वाली कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को निरस्त किया गया है। इनमें कासगंज से नई दिल्ली जाने वाली 15303 इंटरसिटी एक्सप्रेस और देहरादून से नई दिल्ली जाने वाली 12056 शताब्दी एक्सप्रेस भी शामिल हैं।कासगंज से चलने वाली इंटरसिटी के निरस्त होने का सीधा असर मुरादाबाद मंडल के यात्रियों पर पड़ेगा। यह ट्रेन कासगंज से चलकर सोरों, उझानी, बदायूं, बरेली, भिटौरा, नगरिया सादात, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा और गजरौला होते हुए दिल्ली की ओर जाती है। इसके रद होने से इन स्टेशनों से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेन या दूसरे साधन का सहारा लेना पड़ेगा। रेलवे की सूची में कई अन्य ट्रेनें भी शामिल हैं, जिनके प्रारंभिक स्टेशन से नौ या 10 अक्टूबर को चलने की तिथि दर्ज है। इनमें प्रयागराज, कानपुर, बनारस, लखनऊ और आगरा से दिल्ली आने वाली ट्रेनें भी हैं। हालांकि, इन सभी ट्रेनों का मुरादाबाद मंडल के स्टेशनों यह ट्रेन नहीं गुजरेंगी। रेलवे ने यात्रियों को अपनी ट्रेन की स्थिति संबंधित रेलवे स्टेशन या आधिकारिक रेलवे पूछताछ माध्यम से जांचकर ही यात्रा शुरू करने की अपील की है।

जिलाधिकारी ने की विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा, उपभोक्ता सेवाओं में सुधार एवं लंबित कार्यों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्युत आपूर्ति से संबंधित व्यवस्थाओं, नए विद्युत संयोजनों, बिल संशोधन, विद्युत अवसंरचना के रखरखाव तथा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नए विद्युत संयोजन अधिकतम 10 दिनों में जारी करने के निर्देश- जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी प्रकार के नए विद्युत संयोजनों के लिए प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदन प्राप्त होने के अधिकतम 10 दिनों के भीतर नियमानुसार विद्युत संयोजन जारी कर दिए जाएं। उन्होंने नए विद्युत संयोजन जारी करने तथा विद्युत बिलों में संशोधन से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए कैंप आयोजित करने के निर्देश भी दिए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। विद्युत बकाएदारों के विरुद्ध कार्रवाई से पहले नोटिस चस्पा करना अनिवार्य-जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि विद्युत बकाया जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन काटने से पूर्व उपभोक्ता को नोटिस दिया जाए और यदि उपभोक्ता मौके पर मौजूद नहीं है तो संबंधित परिसर पर नियमानुसार नोटिस चस्पा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बकाया वसूली की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए की जाए। जर्जर एवं झुके विद्युत पोलों को दुरुस्त कराने के निर्देश-जनपद में विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में झुके हुए तथा जर्जर विद्युत पोलों का व्यापक सर्वे कर उनका चिन्हीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिन्हित पोलों की स्थिति के अनुसार उनकी मरम्मत अथवा उन्हें बदलने की आवश्यक कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर की जाए, जिससे संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके। हाई लाइन लॉस एवं एटीएंडसी हानि वाले फीडरों पर प्रभावी कार्रवाई- जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हाई लाइन लॉस तथा एटीएंडसी हानि वाले 10-10 फीडरों की सूची तैयार कर उन्हें प्रेषित की जाए। साथ ही, इन फीडरों पर विद्युत हानि कम करने तथा राजस्व वसूली में सुधार लाने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बिजनेस प्लान 2026-27 के अंतर्गत आवश्यक कार्यों को शामिल करने के निर्देश- आगामी बिजनेस प्लान 2026-27 पार्ट-2 के अंतर्गत आवश्यक कार्यों को सम्मिलित करने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं सुचारु बनाने के लिए ट्रांसफॉर्मर क्षमता वृद्धि सहित अन्य आवश्यक कार्यों को प्रस्तावित किया जाए, ताकि बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सके। गलत विद्युत बिलों का तत्काल संशोधन किया जाए- जिलाधिकारी ने आईडीएफ/आरडीएफ (दुष्ठस्त/त्रुस्त) श्रेणी से संबंधित गलत विद्युत बिलों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ऐसे बिलों की त्रुटियों को तत्काल ठीक किया जाए। उन्होंने उपभोक्ताओं की बिल संबंधी शिकायतों का

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, अदालतपुरा, लालबाग, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित कराकर ... जनपद मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जितिन प्रसाद का बड़ा मास्टरस्ट्रोक : खत्म होगा दशकों पुराना इंतजार, बहेड़ी में बनेगा नया ओवरब्रिज

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ बहेड़ी। स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों से बहेड़ी की जनता और गन्ना किसानों का दशकों पुराना सपना साकार हो गया है। रेल मंत्रालय ने केसर शुगर मिल के समीप स्थित रेलवे क्रॉसिंग (एल0सी0 सं0 28) पर ओवरब्रिज निर्माण के लिए ?47.91 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति दे दी है।

मुख्य लाभ- जाम से पूरी मुक्तिः अब तक रेलवे फाटक बंद होने से लगने वाली वाहनों की लंबी कतारों, दैनिक जाम और एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं में होने वाली देरी से हमेशा के लिए निजात मिलेगी। गन्ना किसानों की राह आसानः पेराई सत्र के दौरान मिल में गन्ना पहुंचाने वाले किसानों को अब घंटों फाटक खुलने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा, जिससे उनका समय और ईंधन दोनों बचेगा। सुरक्षित व निर्बाध आवागमनः स्थानीय नागरिकों, छात्रों, व्यापारियों और मरीजों के लिए बाजार, तहसील और अस्पताल पहुंचना अब बेहद सुगम और सुरक्षित होगा।

इस बड़ी सौगात पर केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों की सुविधाओं और पीलीभीत के विकास के लिए आवश्यक कार्यों को आगे बढ़ाना उनकी पहली प्राथमिकता है। परियोजना की मंजूरी से क्षेत्रवासियों और किसानों में भारी उत्साह है।

यूपी के 18 शहरों में दौड़ेंगी 1,725 AC इलेक्ट्रिक बसें, सफर होगा स्मार्ट और पॉल्यूशन-फ्री

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश की नगरीय परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और हाई-टेक बनाने के लिए योगी कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के 18 प्रमुख शहरों में 1,725 वातानुकूलित (AC) इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जा रही हैं। कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने इस योजना की घोषणा करते हुए इसे पर्यावरण और आम जनता के लिए क्रांतिकारी कदम बताया। मुख्य बातें-कवर होने वाले 18 शहर- लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद,

बरेली, गोरखपुर, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, झांसी, अलीगढ़, मुरादाबाद, फिरोजाबाद, सहारनपुर, शाहजहांपुर और नोएडा जेवर सहित। GCC मॉडल और 12 साल का अनुबंधः बसों की खरीद, चार्जिंग सेटअप, ड्राइवर और मेंटेनेंस का जिम्मा टेंडर के जरिए चुने गए निजी ऑपरेटरों का होगा। यह अनुबंध 12 वर्षों के लिए होगा। इलेक्ट्रिक बसों की खरीद पर सरकार 12-मीटर बस के लिए ?40 लाख और 09-मीटर बस के लिए 35 लाख का अनुदान देगी। डिपो के लिए जमीन नगर निगम और विकास प्राधिकरण मुफ्त देंगे, जबकि यात्रियों का किराया सरकार तय करेगी ताकि जनता की जेब पर बोझ न पड़े । स्थानीय स्तर पर रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश में बनी बसों की खरीद को प्राथमिकता दी जाएगी।

सरस मेले तहत लखपति दीदियों को अब 'करोड़पति' बनाने की तैयारी, सांसद छत्रपाल गंगवार ने किया उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' 17 सितंबर से 17 अक्टूबर के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य सरस मेले का आयोजन किया गया । मेले का उद्घाटन बरेली सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने फीता काटकर किया। मेले का मुख्य आकर्षण ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों (SHG) की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित और स्थानीय उत्पाद रहे।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने महिलाओं से अपील की कि वे सरकारी सहायता से अपने कारोबार का विस्तार करें। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं, वे अब करोड़पति दीदी बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ें। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सीधा बाजार उपलब्ध कराना, वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहित करना और महिला सशक्तिकरण को नई गति देना है। मेले में हनी, भोले, मीना, वैष्णो, गंगा, नूर और भगत सिंह स्वयं सहायता समूहों सहित जनपद के सभी विकास खंडों की महिलाओं ने अपने स्टॉल लगाए। दीदियों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपायुक्त स्वत: रोजगार वाई.एल. भारती, जिला मिशन प्रबंधन, ब्लॉक प्रबंधकों एवं ग्राम्य विकास अधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

सपा-कांग्रेस के जिलाध्यक्ष समेत कई नेता हाउस अरेस्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन के चलते यूपी पुलिस भी सतर्क हो गई है। बरेली में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शुभलेष यादव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी, सपा के महानगर अध्यक्ष शमीम खान सुल्तानी समेत कई नेताओं को हाउस अरेस्ट किया गया है। शनिवार-10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी समेत विपक्ष ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कॉल बुलाई है। विपक्ष के

विरोध के चलते दिल्ली का जंतर-मंतर इलाका छावनी में बदल दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात है। यह सुरक्षा इसलिए भी काफी कड़ी की जा रही है, क्योंकि सीजेपी के पिछले प्रोटेस्ट में पुलिस के साथ टकराव हो गया था। दिल्ली से दूर रखने की कोशिश - प्रदर्शनकारियों को इस बार दिल्ली में घुसने से पहले ही बाहर रोकने की तैयारी है। इसी क्रम में बरेली से होकर दिल्ली जाने वाली 9-10 अक्टूबर की कई ट्रेनें निरस्त की गई हैं, ताकि बाहर के लोग दिल्ली न पहुंच सकें। इसके अतिरिक्त प्रदर्शन में शामिल होने वाले संभावित नेताओं को उनके घरों में नजरबंद किया जा रहा है। बरेली में सपा, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के अलावा कई और नेताओं को हाउस अरेस्ट किए जाने की खबर है। दरअसल, पिछले प्रोटेस्ट में भी बरेली से बड़ी संख्या में युवा नेता शामिल हुए थे।

रोजगार मेले में 37 दिग्गज कंपनियों ने 1317 युवाओं को थमाए जॉब ऑफर

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ बरेली । विकसित भारत 2047 के संकल्प और सेवा संकल्प अभियान के तहत मनोहर भूषण इंटर कॉलेज में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन हुआ। मेले का विधिवत उद्घाटन सांसद छत्रपाल सिंह, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, कॉलेज प्रबंधक अनिल सक्सेना, सहायक निदेशक (सेवायोजन) वी.बी.एस. सेंगर और प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने फीता काटकर किया। अतिथियों ने कंपनियों के स्टॉल्स का जायजा लिया

और युवाओं का उत्साहवर्धन किया। मेले में टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट, अमेजन, बजाज ऑटो, एक्सिस बैंक और एसआरएमएस समेत 37 टेक्निकल व नॉन-टेक्निकल प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया। कुल 5,867 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1,317 युवाओं का विभिन्न पदों पर चयन किया गया। इस अवसर पर प्रतीकात्मक रूप से 11 चयनित अभ्यर्थियों को मंच से नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। सहायक निदेशक वी.बी.एस. सेंगर ने बताया कि शासन की मंशा और जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए आगे भी विधानसभावार ऐसे मेलों का आयोजन लगातार जारी रहेगा। अंत में आयोजकों ने सभी जनप्रतिनिधियों, कंपनी प्रतिनिधियों और कॉलेज स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

11 अक्टूबर को दिव्यांगजनों के लिए विशाल नि:शुल्क शिविर, मिलेंगे आधुनिक कृत्रिम अंग और नि:शुल्क सर्जरी

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली ।नारायण सेवा संस्थान (उदयपुर) और शिवम वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 11 अक्टूबर को स्पर्श होटल एंड रिजॉर्ट (पीलीभीत बाईपास रोड, सुरेश शर्मा नगर चौराहा) में विशाल नि:शुल्क दिव्यांग जांच, चयन एवं माप शिविर आयोजित किया जा रहा है।

पंजीयन व जांच सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगी, जबकि उद्घाटन सुबह 10 बजे होगा। अब तक 350 से अधिक दिव्यांगजनों का प्री-रजिस्ट्रेशन हो चुका है। शिविर की मुख्य विशेषताए- आधुनिक कृत्रिम अंग (नारायण लिंब)ः विशेषज्ञ टीम द्वारा शरीर के अनुरूप माप ली जाएगी और लगभग दो माह बाद लाभार्थियों को मॉड्यूलर कृत्रिम अंग नि:शुल्क बांटे जाएंगे। नि:शुल्क शल्य चिकित्साः जांच के बाद चयनित दिव्यांगजनों की सर्जरी संस्थान के उदयपुर स्थित अत्याधुनिक अस्पताल में पूरी तरह नि:शुल्क कराई जाएगी। सुविधाएंः दिव्यांगजनों एवं उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क भोजन, अल्पाहार और चाय की समुचित व्यवस्था रहेगी। आवश्यक दस्तावेज एवं संपर्क- लाभार्थी अपने साथ आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट साइज फोटो (दिव्यांगता दर्शाते हुए) अवश्य लाएं। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 70235-09999 या 78293-00000 पर संपर्क कर सकते हैं।

BEO संग बेसिक शिक्षा कल्याण समिति की हुई अहम बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। बेसिक शिक्षा कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश पाठक के निर्देश और प्रदेश प्रमुख महासचिव राजीव यादव के नेतृत्व में खंड शिक्षा अधिकारी (BEO) कार्यालय कोहाड़ा पीर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। BEO विजय कुमार के साथ हुई इस बैठक में मान्यता प्राप्त विद्यालयों से जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्यों और व्यावहारिक समस्याओं पर गहन चर्चा हुई। बैठक के प्रमुख बिंदु- पोर्टल व प्रोफाइल अपडेशनः प्रशस्त ऐप, अपार (APAAR) आईडी पेंडेंसी, BMU, स्टूडेंट, टीचर और स्कूल प्रोफाइल को तय समयसीमा में शत-प्रतिशत पूरा करने पर सहमति बनी। SO-2 एवं SO-3 फॉर्म: समिति अध्यक्ष सर्वेश पाठक के अनुसार, ब्लॉक स्तर पर उपलब्ध कराए गए स्ङ-2 और SO-3 फॉर्म को BEO कार्यालय द्वारा तुरंत पोर्टल पर दर्ज कराने की मांग की गई, ताकि बच्चों की पढ़ाई

प्रभावित न हो। पहचान पत्र व स्क्र रजिस्टर विसंगतिः प्रदेश प्रमुख महासचिव राजीव यादव ने मुद्दा उठाया कि जन्म प्रमाण पत्र या पहचान पत्र से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों के कारण कक्षा 2 से 12 तक के बच्चों के डाटा दर्ज करने में अड़चन आ रही है। बाद में संशोधन के चलते विद्यालयों के स्क्र रजिस्टर में बार-बार ओवरराइटिंग की नौबत आती है। इस पर व्यावहारिक समाधान निकालने का अनुरोध किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने का आह्वान किया और हरसंभव सहयोग सहित मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। बैठक में प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद फराज, वरिष्ठ प्रवक्ता हिरदेश सिंह, प्रदेश सचिव अनुज शर्मा, जुनैद रजा खान, संतोष राठौड़, संयुक्त सचिव पवन किशोर गुप्ता, टी.डी. शुक्ला, मीडिया प्रभारी आसिफ अली, जिलाध्यक्ष मदनलाल शर्मा, जिला महासचिव संतोष यादव, प्रवक्ता विवेक शाक्य, पुष्पेंद्र राठौर, नरेश कुमार विश्वकर्मा सहित कई शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए कॉलेजों में मांगे वोट

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / फतेहगंज पश्चिमी। भाजपा नेताओं ने शुक्रवार को क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों में शिक्षकों से संपर्क कर शिक्षक एमएलसी चुनाव में पार्टी प्रत्याशी हरि सिंह ढिल्लों के लिए वोट मांगे। भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा के नेतृत्व में टीम ने महेन्द्र गायत्री नर्सिंग कॉलेज, एएनए कॉलेज और उत्कर्ष कॉलेज में प्राचार्यों व शिक्षकों से मुलाकात की। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अजय सक्सेना, चुनाव संयोजक रमन कुमार जायसवाल,पूर्व चेयरमेन कृष्णपाल मौर्य, राम गुप्ता, जिला मंत्री शिवम शर्मा, सौरभ पाठक, अनूप सिंह और महेंद्र गायत्री मौजूद रहे। नेताओं ने शिक्षकों से हरि सिंह ढिल्लों के समर्थन में 23 अक्टूबर को होने बाले मतदान की अपील की।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आज से शुरू हो रहा है मुफ्त खाद्यान्न वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ बरेली। अगर आपके पास अंत्योदय या पात्र गृहस्थी राशन कार्ड है, तो आज यानी 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक जिले में मुफ्त राशन का वितरण शुरू हो गया है। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अंत्योदय कार्ड धारकों को- प्रति कार्ड कुल 35 किलो राशन मिलेगा, जिसमें 21 किलो गेहूं और 14 किलो चावल पूरी तरह मुफ्त दिया जाएगा। पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों कोः प्रति यूनिट 5 किलो राशन दिया जाएगा, जिसमें 2 किलो गेहूं और 3 किलो चावल शामिल है। राशन लेने जाने से पहले समय का विशेष ध्यान रखें। सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानें दो पालियों में खुलेंगीः सुबह- 8ः00 बजे से दोपहर 12ः00 बजे तक शामः दोपहर 2ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक प्रशासन ने साफ किया है कि वितरण की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर तय की गई है। जिन उपभोक्ताओं का बायोमेट्रिक या फिंगरप्रिंट से प्रमाणीकरण नहीं हो पाता है, उन्हें 25 अक्टूबर को मोबाइल ओटीपी सत्यापन के जरिए राशन दिया जाएगा।

युवक को पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस सहित किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी- पुलिस ने अवैध तमंचा और कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। पकड़े गए युवक की पहचान धंतिया गांव निवासी फन्ने खां (32)

पुत्र बुन्दन के रूप में हुई है, एएनए कॉलेज रोड से हाईवे की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते, मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस मिले मामले में पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है, थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि फन्ने खां के खिलाफ वर्ष 2023 में एनडीपीएस एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार, उपनिरीक्षक पंकज कुमार, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार और आरक्षी सुहैब शामिल रहे

सेवा संकल्प अभियान के पांच दिवसीय शिविर का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। ब्लॉक परिसर में सेवा संकल्प अभियान के तहत लगे पांच दिवसीय शिविर का शुक्रवार को समापन हो गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और उनकी समस्याएं सुनीं। शिविर में बच्चों का अन्नप्राशन और गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कराई गई। मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास प्रमाण पत्र और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के लाभार्थियों को चेक व विवाह प्रमाण पत्र बांटे गए। शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, राजस्व और विद्युत विभाग के स्टॉल पर ग्रामीणों ने योजनाओं की जानकारी ली। आवास योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत पर जांच के निर्देश दिए गए। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और उनकी समस्याओं के निस्तारण पर जोर दिया गया।

पत्नी की नृशंस हत्या करने वाला पति 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र के मोहल्ला जोगीनवादा में शराब के लिए पैसे न देने पर पति सतीश बाबू ने अपनी पत्नी सरोज की ईंट से सिर कुचलकर और चाकू से वार कर हत्या कर दी।

मृतका के पिता की तहरीर पर थाना बारादरी में अभियुक्त के विरुद्ध धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में बारादरी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के अंदर अभियुक्त सतीश बाबू को सुरेश शर्मा नगर गेट के सामने से गिरफ्तार किया। अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ईंट और एक छोटा चाकू बरामद किया गया। पुलिस द्वारा अभियुक्त के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर जेल भेजा गया ।

संचारी रोगों से बचाव के लिए विद्यार्थियों को किया जागरूक, स्वस्थ व्यवहार अपनाना है, संचारी रोग मिटाना है का दिया संदेश

समोदिया रामपुर क्यूँ न लिखूँ सच/ केंद्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्वार के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सतीश कुमार के निर्देशन में एक से 31 अक्टूबर तक संचारी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत गांवों के साथ-साथ विद्यालयों में भी जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में खराब मौसम के बावजूद विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुस्तम नगर, रामपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने वंदना सभा के बाद विद्यार्थियों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए संचारी रोग जागरूकता संबंधी पत्रक एवं स्टीकर वितरित किए। उन्होंने पत्रक में दी गई जानकारी पढ़कर सुनाई और विद्यार्थियों को संचारी रोगों से बचाव के उपाय समझाए। प्रधानाचार्य ने बताया कि संचारी रोगों से बचने के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनने चाहिए तथा सूती कपड़ों का प्रयोग करना चाहिए। घरों के आसपास गंदी नालियों की नियमित सफाई रखनी चाहिए और उनमें पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। पुराने टायरों एवं टूटे-फूटे बर्तनों में बरसात का पानी एकत्रित नहीं होने देना चाहिए। मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। इसके साथ ही शरीर, घर, आंगन और कार्यस्थल की नियमित साफ-सफाई रखनी चाहिए तथा नाखूनों को समय-समय पर काटते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेज बुखार आने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में संपर्क करना चाहिए। खाने-पीने की वस्तुओं को ढककर रखना चाहिए तथा फल और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर खाना चाहिए। इन सावधानियों को अपनाकर स्वयं और अपने परिवार को संचारी रोगों से सुरक्षित रखा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने 'स्वस्थ व्यवहार अपनाना है, संचारी रोग मिटाना है' का जोरदार नारा लगाकर अभिभावकों और राहगीरों को जागरूक किया।इस अवसर पर चिकित्सा प्रमुख आचार्य धर्मेंद्र कुमार मौर्य, चिकित्सा प्रमुख भैया हिमांशु, ब्रजकिशोर मौर्य, उमेश कुमार, नरोत्तम सिंह, अनिल कुमार, गौरव सिंह, विजेंद्र सिंह, संजय कुमार, प्रेमपाल, सुनीता रानी मौर्य, पूजा टैगोर, अंजली मोर, विनीता, कन्या भारती की पदाधिकारी एवं वंदना प्रमुख बहनों ने सहयोग किया।

अग्निशमन सुरक्षा जागरूकता गोष्ठी में 650 विद्यार्थियों ने सीखे आग से बचाव के तरीके

समोदिया रामपुर क्यूँ न लिखूँ सच। विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती, पिलखुवा, हापुड़ के ग्रामीण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुस्तम नगर, रामपुर में अग्निशमन सुरक्षा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें अग्निशमन विभाग रामपुर के प्रशिक्षक सरदार पीरथपाल सिंह ने विद्यार्थियों, आचार्यों एवं विद्यालय कर्मचारियों को आग लगने के कारणों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने प्रशिक्षक सरदार पीरथपाल सिंह का परिचय कराया। इसके बाद उन्हें राधे-राधे का पटका भेंट कर स्वागत किया गया। प्रशिक्षक सरदार पीरथपाल सिंह ने बताया कि घरों में एलपीजी गैस सिलेंडर का प्रयोग करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। रेगुलेटर या चूल्हे से गैस का रिसाव होने पर रसोईघर अथवा पूरे कमरे में गैस फैल सकती है, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त बिजली के तारों पर अधिक भार पड़ने, शॉर्ट सर्किट होने, बीड़ी-सिगरेट या चूल्हे की गर्म राख कूड़े में फेंकने तथा ज्वलनशील पदार्थों के संपर्क में आने से भी आग लग सकती है। इसलिए सभी को सतर्क एवं जागरूक रहना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग की ओर से विद्यालयों, महाविद्यालयों, होटलों, अस्पतालों, पेट्रोल पंपों, बड़े प्रतिष्ठानों और कारखानों में समय-समय पर अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है। आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ और साहस से काम लेना चाहिए तथा चाहिए, ताकि आग पर समय रहते काबू पाया जा सके। गोष्ठी के दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें

आवश्यकता पड़ने पर आसपास के लोगों की सहायता लेनी चाहिए।उन्होंने विद्युत संबंधी आग से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि बिजली की आग बुझाने के लिए पानी का प्रयोग नहीं करना चाहिए और न ही नंगे हाथों से बिजली के तारों को छूना चाहिए। विद्युत आपूर्ति बंद किए बिना तारों या बिजली से जुड़े उपकरणों को छूना जानलेवा हो सकता है। उन्होंने आग की प्रकृति के अनुसार सुरक्षित तरीके अपनाने तथा अग्निशमन उपकरणों का सही प्रयोग करने की जानकारी भी दी। गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में प्रशिक्षित व्यक्ति की सहायता लेने और उचित अग्निशमन उपकरणों का प्रयोग करने पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि आग की गंभीर स्थिति में अग्निशमन विभाग को तत्काल सूचना देनी चाहिए। इसके लिए अग्निशमन सेवा के नंबर 101 अथवा आपातकालीन नंबर 112 पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही स्थानीय पुलिस को सूचना देकर दमकल वाहन बुलाना अलवीरा कुमारी, आकृति गंगवार और गीता मौर्य ने भाग लिया। इस अवसर पर रामगंगा विहार स्थित एमआईटी कॉलेज के अंकुर भटनागर एवं सलमा भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के आयोजन में बृज किशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह, धर्मेंद्र कुमार, उमेश कुमार, गौरव सिंह, संजय कुमार, विजेंद्र सिंह, अनिल कुमार, संस्कार केंद्र प्रमुख प्रेमपाल, सुनील सिंह, दिलीप कुमार, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य, रंगोली प्रमुख अंजली मौर्य, विनीता एवं पूजा टैगोर ने सहयोग किया। गोष्ठी में लगभग 650 विद्यार्थी, आचार्य, दीदियां, कर्मचारी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने अग्निशमन प्रशिक्षक सरदार पीरथपाल सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सावधानी बरतने और अपनी सुरक्षा करने के लिए प्रेरित करते हैं। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ।

अखिलेश यादव का पीडीए विचार कांशीराम के अधूरे मिशन को पूरा करने का संकल्प: राजेश सिंह यादव

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच/ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जरगांव में मान्यवर कांशीराम के 20वें महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ सपा नेता एवं जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन राजेश सिंह यादव ने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने सदियों से उपेक्षित दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अन्य कमजोर वर्गों को अपने विचारों से प्रभावित कर उन्हें उनके मताधिकार की ताकत का एहसास कराया। उन्होंने शोषित वर्गों को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें शासन व्यवस्था में भागीदारी दिलाने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि कांशीराम का पूरा जीवन बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आत्मसम्मान और स्वाभिमान के रुके हुए कारवां को मंजिल तक पहुंचाने के लिए समर्पित रहा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पीडीए विचार मान्यवर कांशीराम के अधूरे मिशन को पूरा करने का संकल्प है। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व जिला पंचायत सदस्य फतेह सिंह जाटव, नितिन जाटव, डॉ. शिव कुमार प्रजापति, प्रशांत कश्यप, चरण सिंह जाटव, मास्टर लोकेश जाटव, हरिश्चंद्र जाटव, विपिन जाटव, सत्यप्रकाश जाटव, देवेश जाटव और डॉ. कुसुमवीर जाटव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सपाइयों ने मनाई कांशीराम की पुण्यतिथि

दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के अधिकारों के लिए उनके संघर्ष को किया याद

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच/ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को सपा कैंप कार्यालय एमआई हाउस पर बहुजन समाज के नेता मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके सामाजिक और राजनीतिक योगदान को याद किया गया। कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों और आदर्शों पर चलने का संकल्प भी दोहराया। विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने अपना पूरा जीवन दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों और गरीबों के अधिकारों तथा सम्मान की लड़ाई लड़ने में समर्पित कर दिया।

उन्होंने वंचित वर्गों को सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। विधायक ने कहा कि कांशीराम के संघर्ष और उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को उनका अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद उसमान एडवोकेट, जिला सचिव कासिम आजाद, युवजन सभा के जिला उपाध्यक्ष रमाकांत सैनी, रामबाबू यादव, सद्दाम सैफी, शमीम प्रधान, रविंद्र चौधरी प्रधान, जीशान प्रधान और हसनैन प्रधान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा विधायक के महल में दो युवकों को करंट लगा पीटने का आरोप, एक की हालत बिगड़ी, परिजनों ने दी तहरीर

चोरी के शक में दो युवकों को भाजपा विधायक के महल में बंधक बनाकर पीटने और करंट लगाने का आरोप लगा है। एक युवक की हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।चोरी के शक में दो युवकों को बंधक बनाकर भाजपा विधायक के महल में ले जाने और वहां उनके साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। परिजनों का आरोप है कि सोने का कड़ा चोरी करने के शक में दोनों युवकों को पीटा गया और करंट भी लगाया गया। इससे एक युवक की हालत बिगड़ गई। उसे उत्तराखंड के काशीपुर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में परिजनों ने पहले डिलारी और फिर ठाकुरद्वारा थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे नगर के कश्यप समाज के लोग ओमवती और उनके परिवार के सदस्यों के साथ थाने पहुंचे।उन्होंने बेटे रामू को कथित रूप से अगवा कर बंधक बनाने और उसके साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कस्बा निवासी ओमवती ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि डिलारी थाने की पुलिस उनके बेटे रामू को घर से लेकर आई थी।इसके बाद चोरी का आरोप लगाकर उसके साथ मारपीट की गई, जिससे वह घायल हो गया। उन्होंने उसका मेडिकल परीक्षण कराने और घटना के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बारिश की बौछार से उड़े किसानों के होश

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच/ किसानों द्वारा अथक परिश्रम करके तैयार की गई धान की फसल पर खतरे के बदले मंडरा रहे हैं इसको लेकर किसान चिंतित है। एक पखवाड़ा पहले

तेज हवाओं के साथ हुई लगातार बरसात में आधे से अधिक धान जमीन पर गिर गए और फसल का बिछौना जैसा बन गया किसानों से धान का खेत देखा नहीं जा रहा था और सिर पकड़कर बैठ गए। किसान संगठन सरकर से सर्वे कराकर मुआवजे की मांग कर रहे हैं। अब दो तीन दिन से फिर हवा बदली है और पुरवाई के प्रकोप से आसमान में बादल छाए हुए हैं। शुक्रवर की दोपहर भी बिलारी नगर और आसपास हल्की बौछार पढ़ने से किसानों के होश उड़ गए परंतु गनीमती रही कि अधिक बरसात नहीं हुई। सनाई गांव के कृषक अखिल कुमार का कहना है कि प्रकृति किसानों पर कृपा करे ताकि किसने की बच्ची खुची फसल सुरक्षित घरों में पहुंच जाए।

पितृपक्ष का अंतिम श्राद्ध आज, पितरों की होगी विदाई

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच/ पितृपक्ष के अंतिम दिन सर्वपितृ अमावस्या पर शनिवार को पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और दान-पुण्य किया जाएगा। हिंदू धर्म में इस दिन का विशेष महत्व माना जाता है। नगर के वरिष्ठ पुरोहित पंडित विशोक शर्मा ने बताया मान्यता है कि सर्वपितृ अमावस्या पर उन पितरों का भी श्राद्ध किया जा सकता है, जिनकी मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है। पितृपक्ष के अंतिम दिन लोग अपने पूर्वजों का स्मरण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। परंपरा के अनुसार, श्रद्धालु स्नान के बाद तर्पण करते हैं तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार अन्न, वस्त्र और भोजन का दान करते हैं। कई परिवारों में ब्राह्मणों को भोजन कराने और जरूरतमंदों को अन्न वितरित करने की भी परंपरा है। काफी लोग गंगा तट पर जाकर भी पिंडदान आदि करते हैं। भारतीय संस्कृति में पितरों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना पारिवारिक संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है। पितृपक्ष का अंतिम दिन पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने और उनके बताए संस्कारों को याद करने का अवसर है। सर्वपितृ अमावस्या के साथ ही पितृपक्ष का समापन हो जाएगा।

फरार आरोपी के घर नोटिस चस्पा, कुर्की की चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। न्यायालय में पेश नहीं होने पर अपराध शाखा पुलिस ने सिरौली के धनौरा गौरी गांव निवासी फरार आरोपी बलवीर के

घर नोटिस चस्पा किया। पुलिस ने गांव में मुनादी भी कराई।पुलिस के मुताबिक, बलवीर पुत्र महेंद्र के खिलाफ थाना सिरौली में मुकदमा संख्या 217/2022 दर्ज है। उस पर चोरी का माल खरीदने-बेचने, नुकसान पहुंचाने और आबकारी अधिनियम से संबंधित आरोप हैं। आरोपी लगातार फरार चल रहा है। न्यायालय के आदेश पर अपराध शाखा निरीक्षक रामकृष्ण पुलिस टीम के साथ गांव पहुंचे और गवाहों की मौजूदगी में नोटिस चस्पा किया। निर्धारित समय में न्यायालय में पेश नहीं होने पर आरोपी की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जा सकती है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

आईजीआरएस निस्तारण में आवेदक की संतुष्टि जरूरी: डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनपद बदायूं में आईजीआरएस के अंतर्गत शासन द्वारा निर्धारित 90 प्रतिशत संतुष्टि मानक के अनुरूप कार्य न करने वाले विभागों के प्रति जिलाधिकारी अवनीश राय ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय में संबंधित विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर उन्होंने विभागवार शिकायतों के निस्तारण एवं संतुष्टि प्रतिशत की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन विभागों की प्रगति निर्धारित मानक से कम है, वे अगले सप्ताह तक 90 प्रतिशत संतुष्टि मानक प्राप्त करना सुनिश्चित करें। इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि आईजीआरएस शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल पोर्टल पर आख्या अपलोड करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान होना चाहिए। आवेदक की संतुष्टि निस्तारण की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए।

उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा करें तथा लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराएं। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो और संबंधित अधिकारी शिकायत की प्रकृति के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। असंतुष्ट शिकायतकर्ताओं के प्रकरणों की विशेष समीक्षा करते हुए उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान कराया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित संतुष्टि मानक पूरा करने में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभागाध्यक्ष स्वयं निगरानी करते हुए शिकायतों के निस्तारण की प्रगति में सुधार लाएं, ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

अंतरराज्यीय गिरोह के 05 अभियुक्तगण को कोतवाली पुलिस नें भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ जनपद बदायूं में थाना कोतवाली के क्षेत्र में रात्रि में वादी श्री प्रमोद कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 मनोहरलाल नि0 मौ0 नागरान थाना कोतवाली बदायूँ की प्रमोद जनरल स्टोर तहसील गेट के जगंला तोड़कर दुकान मे रखे एक लाख रूपये नगद व सोने के आभूषण व कास्मेटिक के समान के गत्ते चोरी कर ले जाने के संबंध में थाना कोतवाली पर मु0अ0सं0 201/2026 धारा 331(4)/305 बीएनएस बनाम अज्ञात के विरूद्द पंजीकृत किया गया की रात्रि में श्री शिवशंकर गुप्ता पुत्र श्री प्रभात नारायण नि0स्टेशन रोड थाना सिविल लाइन जनपद बदायूं की प्रभात नारायन जनरल मर्चेंट से छत पर का दरवाजा काटकर स्टोर मे रखे 5 लाख रूपये नगद व सामान चोरी कर ले जाने के संबंध में थाना कोतवाली पर मु0अ0सं0 202/2026 धारा 331(4)/305 बीएनएस बनाम अज्ञात के विरूद्द पंजीकृत किया गया था की रात्रि में श्री अंकुश गांधी पुत्र हरिओम गांधी नि0शंख पट्टी पथिक चौक थाना कोतवाली बदायूँ की दुकान न्यू0गांधी ड्राई फ्रूड्स के ऊपर का दरबाजा तोड़कर घुसकर करीब 1,7500/- नगद व कैमरा सैटअप का MVR एवं RAOTER चोरी कर ले जाने के संबंध में थाना कोतवाली पर मु0अ0सं0 203/2026 धारा

331(4)/305 बीएनएस बनाम अज्ञात के विरूद्द पंजीकृत किया गया था उक्त अभियोगों के सफल अनावरण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में टीम गठित करते हुए थाना कोतवाली पुलिस द्वारा आज दिनांक 09.10.2026 को 05 नफर अभियुक्तगण 1. हरीश उर्फ हरिया पुत्र लालू निवासी लक्ष्मणगंज झरी थाना भूगरा जिला बासवाड़ा राजस्थान उम्र करीब 35 वर्ष 2. राकेश पुत्र शंकर निवासी गणेशी लाल पाड़ला थाना भूगरा जिला वासवाड़ा राजस्थान उम्र करीब 23 वर्ष 3.हरीश पुत्र वर सिंह निवासी मोडा डोगरा सन्तरा सालपुर थाना सदर बासवाड़ा राजस्थान उम्र करीब 29 वर्ष 4.सुनील पुत्र कान्ति निवासी लक्ष्मणगंज जरी थाना भूंगरा जिला बासवाड़ा राजस्थान उम्र करीब 25 वर्ष 5.सुनील पुत्र सन्धू निवासी लक्ष्मणगंज जरी थाना भूंगरा जिला बासवाड़ा राजस्थान उम्र करीब 21 वर्ष को चोरी की योजना बनाते हुए गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 02 अदद एंड्राइंड मोबाइल फोन मय 01 DVR व 03 ROUTER मय तीन अदद तमंचा नाजायज 315 बोर मय 05 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व कुल 14167/- रुपये बरामद किये गये । बरामदगी के सम्बन्ध में थाना कोतवाली पर आज मु0अ0सं0 249/2026 धारा 313/3(5) बीएनएस व 3/25(1B)(a) ACT पंजीकृत किया गया । अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। नि0 श्री माधो सिह विष्ट थाना कोतवाली बदायूँ मय पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक स्वाट टीम श्री रविन्द्र सिंह मय पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक सर्विलांस श्री अरिहन्त कुमार सिद्धार्थ मय पुलिस टीम ।

शिविर में 356 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ जनपद बदायूँ में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा शिविर आयोजित कर 356 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरित किए गए। पात्र दिव्यांगजन को 172 ट्राईसाइकिल, 56 जोड़ी बैसाखी, 05 व्हीलचेयर, 105 कृत्रिम हाथ व पैर, 04 स्मार्ट केन(छड़ी), 14 बैटरी चलित ट्राईसाइकिल का नि:शुल्क वितरण किया गया।

शुक्रवार को बदायूँ क्लब बदायूँ में नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अथिति केंद्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता बी.एल. वर्मा रहे। उन्होंने कहा कि यदि किसी पात्र दिव्यांगजन को मोटराइज़्ड ट्राईसाईकिल की आवश्यकता हो तो वह राजकीय मेडिकल कॉलेज स्थित दिव्यांशा केन्द्र पहुंचकर नियमानुसार विधिक औपचारिकता पूर्ण करते हुए अपना नाम दर्ज करा सकता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र तथा राज्य सरकार की ऐसी तमाम योजनाएं हैं, जिनसे पात्र व्यक्ति लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा न केवल सहायक उपकरण वितरित किए जाते हैं बल्कि पात्र व्यक्तियों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं। सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि सरकार बिना भेदभाव के प्रत्येक वर्ग के पात्र व्यक्ति को नि:शुल्क खाद्यान उपलब्ध करा रही है, वहीं दूसरी ओर दिव्यांगनों के हितार्थ पेंशन भी उपलब्ध करा रही है।

कार्यक्रम में एमएलसी बागीश पाठक, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष शारदेन्दु पाठक, उपायुक्त स्वत: रोजगार रवि प्रकाश सिंह व जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सन्तोष कुमार आदि मौजूद रहे।

रायबरेली में ट्रैक मशीन डिरेल, लखनऊ-रायबरेली रेलखंड पर यातायात ठप; कई ट्रेनें घंटों खड़ी रहीं

रायबरेली में बछरावां-कुंदनगंज रेलखंड पर ट्रैक मशीन डिरेल होने से लखनऊ-रायबरेली रेल मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। पंजाब मेल को बछरावां में रोका गया, जबकि लखनऊ-बनारस एक्सप्रेस करीब ढाई घंटे खड़ी रही। मशीन हटाने और रेल यातायात बहाल करने के लिए लखनऊ से राहत ट्रेन बुलाई गई है। लखनऊ-रायबरेली रेल मार्ग पर बछरावां-कुंदनगंज रेलखंड के बीच शुक्रवार को ट्रैक पर काम कर रही एक मशीन डिरेल हो गई। घटना डाउन लाइन पर होने से रेल यातायात प्रभावित हो गया। कई ट्रेनों को आसपास के स्टेशनों पर रोकने के आदेश दिए गए हैं। रेलवे की ओर से राहत कार्य शुरू कर दिया गया है।पंजाब मेल को बछरावां में रोका- मशीन डिरेल होने के कारण अमृतसर से हावड़ा जाने वाली पंजाब मेल को बछरावां स्टेशन पर रोक दिया गया। वहीं, डाउन लाइन से आ रही लखनऊ-बनारस एक्सप्रेस को करीब ढाई घंटे इंतजार करना पड़ा। बाद में ट्रेन को अप लाइन से पास कराया गया।राहत कार्य के लिए लखनऊ से बुलाई गई ट्रेन डिरेल हुई मशीन को ट्रैक से हटाने के लिए लखनऊ से एक्सिडेंटल रिलीफ ट्रेन (एआरटी) मंगाई गई है। रेलवे की टीम मौके पर राहत कार्य में जुटी है। मशीन हटाने और रेलखंड पर यातायात बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के चलते अन्य ट्रेनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। कई ट्रेनों को आसपास के स्टेशनों पर रोकने के निर्देश दिए गए हैं। रेल यातायात सामान्य होने में लगने वाले समय को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

पागल कुत्ते के काटने से गाय की मौत, दूध पीने और खीर खाने वाले 98 लोगों में हड़कंप; सबके मन में एक ही डर

गाय की मौत के बाद शुक्रवार को पूरा परिवार ट्रैक्टर-ट्रॉली से दहगवां अस्पताल पहुंचा और 18 लोगों ने रेबीज की वैक्सीन लगवाई। सभी भयभीत नजर आ रहे थे। परिजनों का कहना है कि उसका दूध पूरे परिवार ने पिया था, अब डर है कि परिवार के साथ भी गाय जैसी कोई अनहोनी घटना न हो जाएयूपी के बदायूं जिले स्थित जरीफनगर थाना क्षेत्र के ग्राम धर्मपुर टप्पा वैश में एक पागल कुत्ते के काटने के बाद गाय की मौत होने से गांव में दहशत फैल गई है। उस गाय के बीमार रहने के दौरान परिवार के 18 लोगों ने उसका दूध पिया था, इसलिए मामला और गंभीर हो गया है। बुधवार को कनागत की दावत में करीब 80 लोगों ने भी उसी गाय के

दूध की खीर खा ली थी। इससे लोगों में हड़कंप मचा है।गाय की तरह परिवार संग भी न हो जाए अनहोनी- गाय की मौत के बाद शुक्रवार को पूरा परिवार ट्रैक्टर-ट्रॉली से दहगवां अस्पताल पहुंचा और 18 लोगों ने रेबीज की वैक्सीन लगवाई। सभी भयभीत नजर आ रहे थे। परिजनों का कहना है कि उसका दूध पूरे परिवार ने पिया था, अब डर है कि परिवार के साथ भी गाय जैसी कोई अनहोनी घटना न हो जाए। ग्रामीणों में इस घटना के बाद से दहशत का माहौल है। उधर, सीओ अशोक कुमार सिंह का कहना है कि तहरीर मिली है, मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।पशु चिकित्सा विभाग पर लापरवाही का आरोप

मामले को लेकर विनोद कुमार निवासी ग्राम धर्मपुर टप्पा वैश ने थाना जरीफनगर प्रभारी को तहरीर दी है। तहरीर में बताया है कि 20 सितंबर को उसकी गाय को एक पागल कुत्ते ने काट लिया था। उपचार के लिए डॉक्टर विजय राठौर को बुलाया गया, डॉक्टर ने अपने सहयोगी रूप किशोर को भेजा। आरोप है कि उसने उपचार के नाम पर 500 रुपये लेकर एक इंजेक्शन लगाया। इसके बाद गाय को आगे के उपचार के लिए आवश्यक इंजेक्शन लगवाने के लिए डॉक्टर/पशु चिकित्सा विभाग से संपर्क किया, लेकिन कोई अन्य इंजेक्शन लगाने अथवा उपचार करने नहीं आया था। उचित उपचार न मिलने के कारण गाय की हालत बिगड़ती गई और अंततः उसकी मृत्यु हो गई। थाने में तहरीर, पोस्टमार्टम पर अड़े - पीड़ित परिवार ने थाना जरीफनगर में संबंधित पशु चिकित्सा कर्मियों की लापरवाही की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। परिजन गाय का पोस्टमार्टम कराने के लिए जोर दे रहे हैं ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके।18 लोगों की सूची सौंपी - परिजनों ने तहरीर के साथ उन 18 लोगों की सूची भी सौंपी है, जिन्होंने दूध पिया था और वैक्सीन लगवाई है, जिनमें 60 वर्षीय सीपाली, 14 वर्षीय तमन्ना, 60 वर्षीय रामा, 50 वर्षीय शकुंतला, 45 वर्षीय विनोद, 42 वर्षीय लवती सहित बच्चे और महिलाएं शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

थाना अलापुर पुलिस नें नकली भारतीय करेंसी छापने वाले दो अभियुक्तगण भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ जनपद बदायूं में एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी दातागंज के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना अलापुर पुलिस द्वारा आज मुखबिर की सूचना पर नकली भारतीय करेंसी बनाने एवं उसे बाजार में चलाने वाले 02 अभियुक्तगण 1- यावर अली पुत्र मकसूद अली, निवासी ग्राम भसराला, थाना अलापुर, जनपद बदायूँ, उम्र करीब 58 वर्ष 2- नुरुलहसन पुत्र रहीसुल हसन, निवासी ग्राम भसराला, थाना अलापुर, जनपद बदायूँ, उम्र करीब 50 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है । अभियुक्तों के कब्जे से 500/- के कुल 315 जाली नोट (कुल धनराशि 1,57,500/-), 06 अर्द्धनिर्मित जाली नोट तथा नकली करेंसी बनाने में प्रयुक्त उपकरण एवं अन्य सामग्री बरामद की गई है । बरामदगी के आधार पर थाना अलापुर पर मु0अ0सं0 245/2026, धारा 178/179/180/181 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है । प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है

विवेचना की खामियों पर हाईकोर्ट हैरान : आंगन के दरवाजे पर खून, शव चरपाई पर कैसे पहुंचा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करीब 41 साल पुराने हत्या और डकैती के प्रयास से जुड़े मामले की सुनवाई में विवेचना पर हैरानी जताई। कहा कि घटनास्थल के आंगन में दरवाजे के पास खून मिला था, जबकि मृतक का शव चारपाई पर पाया गया।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करीब 41 साल पुराने हत्या और डकैती के प्रयास से जुड़े मामले की सुनवाई में विवेचना पर हैरानी जताई। कहा कि घटनास्थल के आंगन में दरवाजे के पास खून मिला था, जबकि मृतक का शव चारपाई पर पाया गया। इसके बावजूद विवेचक ने यह पता लगाने की कोशिश ही नहीं की कि घायल को चारपाई तक कैसे और किन परिस्थितियों में लाया गया। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकल पीठ ने जगनायक सिंह और संतोष की अपील स्वीकार कर ली। साथ ही उन्हें मिली सात-सात साल के कठोर कारावास की सजा का आदेश रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि संदेह कितना भी गहरा क्यों न हो, वह कानूनी साक्ष्य का विकल्प नहीं बन सकता।मामला बांदा जिले के पैलानी थाना क्षेत्र के अलीना गांव का है। अभियोजन के अनुसार, 27 सितंबर 1983 की रात दीनदयाल की घर में घुसकर हत्या कर दी गई थी। उनकी पत्नी धुरिया भी घायल हुई थीं। आरोप था कि जगनायक सिंह तमंचा, संतोष फारसा और रामराज लाठी लेकर घर में घुसे थे। लूटपाट के प्रयास का विरोध करने पर दीनदयाल की हत्या कर दी गई।41 साल पुराना है मामला- बांदा के विशेष न्यायाधीश ने 25 जनवरी 1985 को तीनों को घर में घुस कर हत्या करने का दोषी ठहराते हुए सात-सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ तीनों ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। अपील लंबित रहने के दौरान रामराज की मृत्यु हो गई, जिसके बाद उनके खिलाफ अपील समाप्त कर दी गई। जीवित बचे जगनायक सिंह और संतोष की अपील कोर्ट ने सुनवाई की।

कोर्ट ने पाया कि विवेचना बेहद लापरवाही से की गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि घर में सेंधमारी के अपराध में दोषसिद्धि के लिए अभियोजन को यह साबित करना जरूरी है कि आरोपियों ने रात में घर में सेंध लगाकर या छिपकर प्रवेश करने का अपराध संयुक्त रूप से किया था। केवल हत्या होने से इस अपराध के तहत सभी आरोपियों का दायित्व अपने आप साबित नहीं हो जाता।हाईकोर्ट ने पाया कि दीनदयाल की मृत्यु और धुरिया को चोटें आने का तथ्य सामने आया, लेकिन अभियोजन यह साबित नहीं कर सका कि अपीलकर्ता ही अपराध में शामिल थे। इसी आधार पर अदालत ने दोनों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

A unique blend of the Gujarati song "Maavadi" with a Punjabi voice, Gurdeep Mehndi gives a new twist to the traditional "Dakla" tune.

Daler Mehndi's son, Gurdeep Mehndi, gave a modern twist to the Gujarati folk song "Maavadi" in the traditional Dakla style for Navratri. These days, folk songs are multiplying the enthusiasm for Garba that increases with the arrival of Navratri. For some time now, new songs have been created based on traditional songs, and these songs are becoming equally popular. Recently, one such Gujarati folk song, titled "Maavadi," has been trending on social media. For the special occasion of Navratri, this song blends a touch of both modern and traditional music. Let's talk about this Gujarati folk song. Daler Mehndi's son gives a new twist to Gujarati folk songs - Daler Mehndi's son, Gurdeep Mehndi, has opted for Gujarati folk music instead of Punjabi songs this Navratri. He has performed the Gujarati song "Mavadi" in the traditional Dakla style, a song whose warmth and energy are its hallmarks. Although the singer is primarily associated with Punjabi music, he has recently been focusing on regional Indian folk music, such as Telugu, Marathi, and Gujarati. The song "Mavadi" is dedicated to Goddess Durga. Goddess Durga holds a special significance in Gujarati folk culture, and a significant confluence of this is seen during Navratri in the form of Garba and Raas Dandiya. The inclusion of Gujarati folk songs brings life to the gathering through devotion and power. Mavadi songs are also an important part of Gujarat's culture. However, few people know that in addition to these dances, another dance form is also performed during Navratri. We are talking about Dakla. What is the Dakla style? - Dakla is a music and dance style native to Gujarat. During Navratri, along with Garba and Raas Dandiya, the Dakla style of dance is also seen. It has a special connection to the tribal traditions and religious rituals of the state. The name Dakla is derived from the Dak, a slightly larger instrument in the same category as the Damru. Looking back at its history, its origins are linked to the invocation of Goddess Chamunda, Goddess Kali, Goddess Meldi, and other folk goddesses. The vibrant dance style is a key feature of Dakla. The dance is performed in a vibrant style with powerful beats to the tune of Dakla. While this dance is performed, songs are sung simultaneously to invoke the goddess. The new song "Maavadi" attempts to give this traditional style a modern touch.

Even pickles will taste bland when you eat spicy pickled eggplant! Make this spicy dish today; note the secret recipe.

A special recipe for pickled eggplant is a spicy option for enhancing the flavor of your meal. People often add pickled eggplant to their meals, but eggplant is a vegetable that not everyone enjoys. So, let's prepare this eggplant in the pickled style. You've probably had potato eggplant, spicy eggplant, and eggplant bharta many times before. This time, try this special recipe for pickled eggplant. Pickled Baingan Recipe - To make pickled eggplant curry, it is spiced well and a pickle flavour is added to it, let's know its recipe: Ingredients (for pickle) 2 dry red chillies 1 tsp mustard seeds 1 tsp fennel seeds 1 tsp cumin seeds 1/4 tsp fenugreek seeds 2 tsp coriander seeds 1/2 tsp black pepper 1/2 tsp nigella seeds Ingredients for gravy 1 chopped eggplant - 2 medium sized potatoes 1 finely chopped onion 2 finely chopped tomatoes - 1 tsp ginger-garlic paste - 2 tbsp finely chopped coriander - 1 tsp kasuri methi - 1/2 tsp garam masala 1 tsp coriander powder 2 tbsp oil 1 inch cinnamon 1 pinch asafoetida 1/2 tsp turmeric 1 tsp red chilli salt to taste Method - To make pickled eggplant, first take a heavy bottom pan and add 1 tsp mustard seeds, 1 tsp fennel seeds, 2 dry red chillies, 1/4 tsp fenugreek seeds. After this, add 1 teaspoon cumin seeds, 2 teaspoons coriander seeds, 1/2 teaspoon nigella seeds, and 1/2 teaspoon black pepper and fry them. When the spices begin to smell fragrant, remove them from the heat, let them cool, and then blend them. The pickle masala for the vegetable is ready. Now prepare to cook the vegetable. Heat 2 tablespoons of oil in a pan. Once the oil is hot, add 2 chopped eggplants and sauté them. Once the eggplants are soft and brown, add salt to taste. Remove the eggplants and roast the potatoes in the same manner. After removing the potatoes, add 1 tablespoon of oil again and heat it. Then, fry the cumin seeds, cinnamon, and asafoetida, then add the onions. After the onions are fried, add the pickle masala. Add turmeric, red chili, coriander powder, garam masala, and salt to taste. After the spices are cooked, cook the tomatoes in it. Finally, add the roasted eggplant and potatoes and mix well. Then, add the dried fenugreek leaves and coriander and mix. Your pickled eggplant curry is ready. Serve it with roti or rice.

There's no lack of love in a relationship, yet the mind remains troubled? Understand why a connection is incomplete without emotional safety.

Despite love in a relationship, the mind can remain restless because of a lack of emotional security. Sometimes, even when everything is going smoothly in a relationship, the mind remains troubled. If you're experiencing this same problem, know that the problem in your relationship isn't a lack of love, but rather, the emotional safety you're seeking isn't adequately found. This is because love can keep your relationship healthy, but it can't become its foundation. Let's explore why emotional safety is more important than love in any relationship. Why is emotional safety more important than love? Just as humans are social creatures, their desire to survive is also linked to safety. Think for yourself: isn't safety the fundamental foundation of everything, from our food to our survival? This same safety is equally important in relationships, for several reasons: For peace of mind - When we feel emotionally safe with someone, our heart rate and breathing rate relax. Now that we feel safe with that person, our mind stops thinking and making negative assumptions, and our mind finds peace. To speak openly to our partner without fear - People who are afraid to express their feelings to their partner never feel safe in their relationship. They always fear that their words might be misinterpreted. Those who do not have any fear about each other have a strong foundation for their relationship. They can express their thoughts openly without any shame or hesitation. They do not fear that the relationship will end after expressing their feelings. To resolve conflicts with maturity - To prevent any conflict in a relationship from escalating, it is important to handle it with maturity. In such a situation, in a relationship where there is emotional safety, there is no scope for any misunderstanding or conflict to escalate, because both parties are able to express their views without fear. For a deep connection – Along with physical intimacy, emotional intimacy is also a necessary condition for strengthening a relationship. A relationship in which couples are deeply connected to each other lasts longer than a superficial connection.

Palak Tiwari: Actress embarks on a trip to Rajasthan, shares trip photos; fans comment on Ibrahim Ali Khan

Palak Tiwari has loved the culture of Rajasthan. She also liked the food here. The actress has shared several photos of her Rajasthan trip on social media. Actress Palak Tiwari, daughter of TV star Shweta Tiwari, is on a trip to Rajasthan. She has spent many quality moments there, listening to local music, eating local food, and posing by the lake. The actress shared glimpses of her trip on social media. Her post has caught the attention of fans, with some users speculating that she is with Ibrahim Ali Khan. What's in the actress's post? Actress Palak Tiwari has shared new photos on social media. The photos show her taking a walk in the jungle, dancing to Rajasthani music, and enjoying the local food. Palak Tiwari has loved the culture of Rajasthan. In the caption accompanying the photos, the actress wrote, "I've always heard about Rajasthani hospitality. But now I get to experience it in real life." Truly, the hospitality here is unique and unparalleled. Cultural experiences, every bite has a Rajasthani flavor. Music here is something I'd only heard about. I'm simply amazed and delighted." Users commented on Ibrahim Ali Khan. Many users commented on the actress's post about Ibrahim Ali Khan. Users believe she's on a tour with Ibrahim Ali Khan in Rajasthan. One user wrote, "This is with Ibrahim in Ranthambore." Another user wrote, "Post a photo with Ibrahim, Palak ji." Another user wrote, "Mrs. Ibrahim Ali Khan." Another user requested, "Put a photo with Ibrahim." Is the actress in a relationship with Ibrahim? Actress Palak Tiwari is in the news for her relationship with Saif Ali Khan's son and actor Ibrahim Ali Khan. Recently, they were spotted leaving the Mumbai airport together. Users are speculating about their relationship. However, neither has confirmed their relationship. Palak Tiwari's work front: Palak Tiwari made her acting debut with the film "Bijli Bijli." She starred opposite Salman Khan in "Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan." She was last seen in "Rosie: The Saffron Chapter."

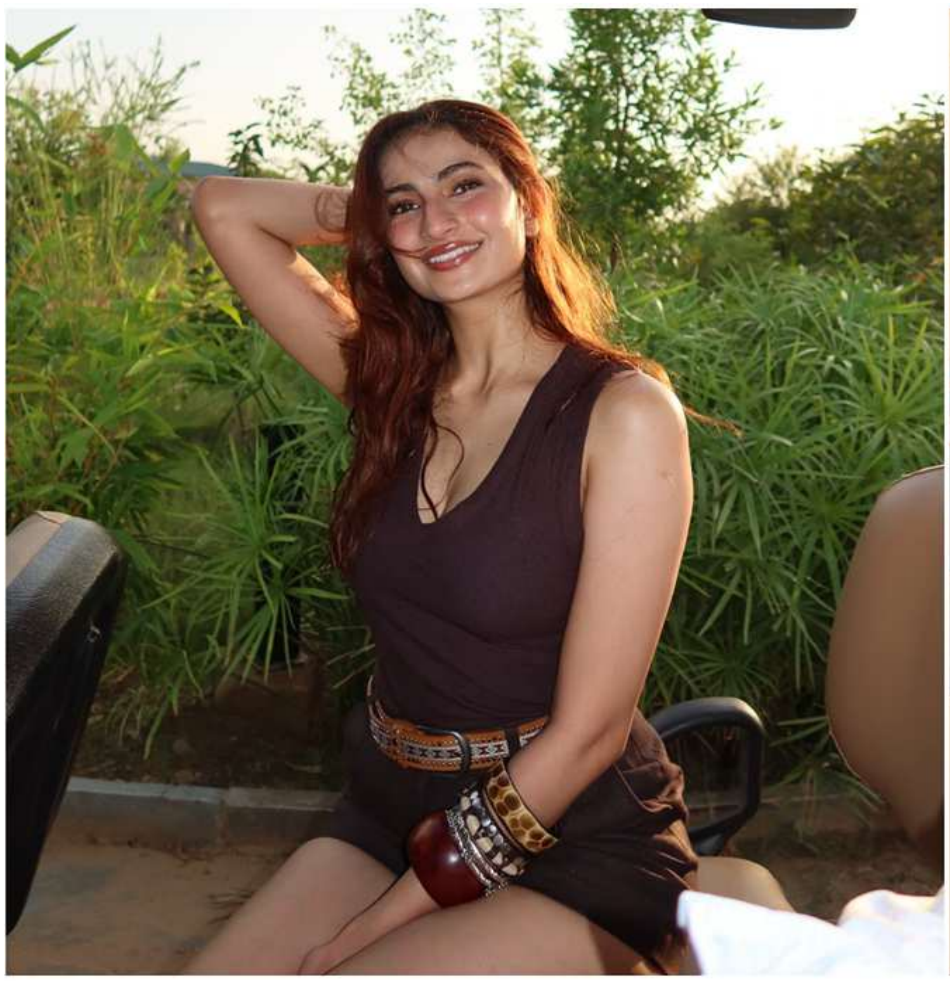

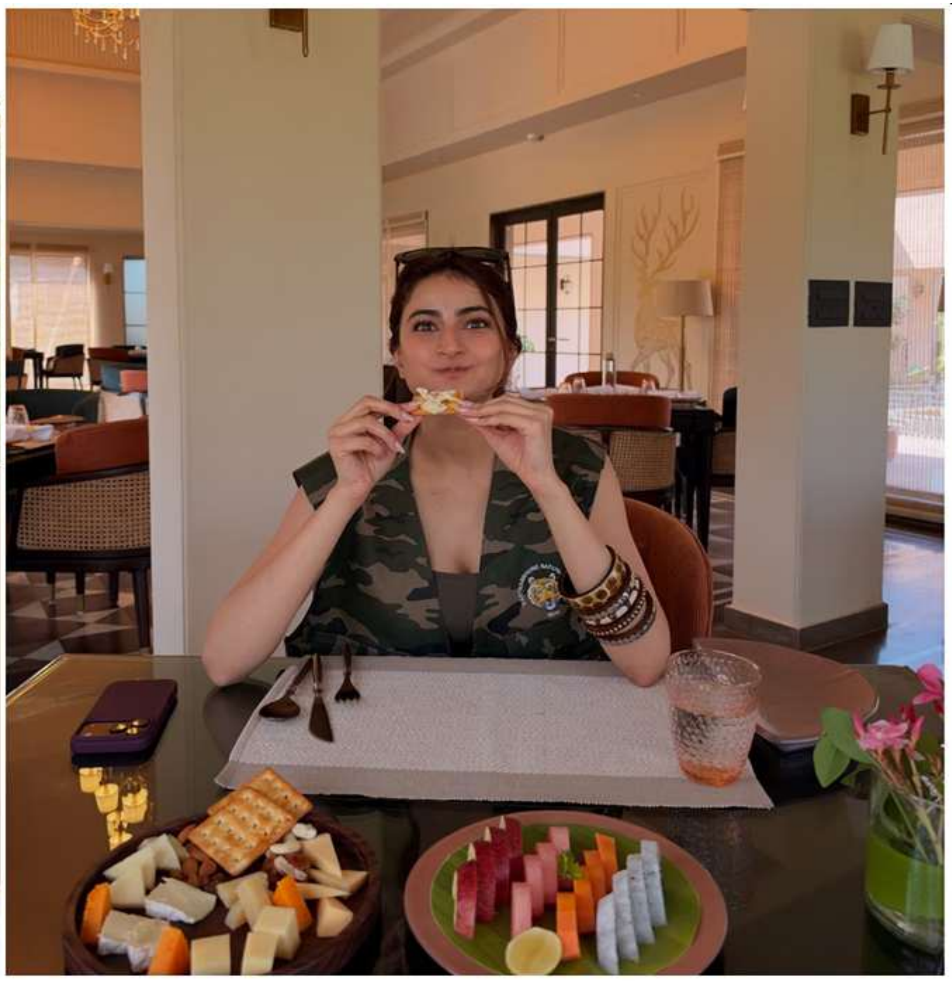

Harleen Sethi: 'Slumdog Millionaire' fame Freida Pinto gave her advice on changing her career, the actress shared her story.

Harleen Sethi, who recently appeared in the web series 'Shaak,' shared a lot in an exclusive interview with Amar Ujala. She also discussed the advice she received from actress Freida Pinto. Harleen Sethi's acting career began with dance. She both danced and taught. During this time, she met 'Slumdog Millionaire' fame actress Freida Pinto. Freida took some private dance classes from Harleen. During this time, she asked Harleen about pursuing acting. Freida asked, "Why don't you act?" Freida was preparing for the film 'Desert Dancer' at the time. She needed to work on her body movements and performance. For this, she sought training from Harleen. In an interview with Amar Ujala Digital, Harleen said, "When I was a dance instructor and I was learning and teaching dance, Freida Pinto took some classes with me. She wanted to learn dance and performance. She needed to develop some agility in her body. She was going to do the film "Desert Dancer," so she took personal training with me. We worked on her body movement and fluidity. "I still remember this from Frieda" - During this time, Frieda asked Harleen about entering acting. This was special for Harleen, because at that time, she hadn't made any plans for acting. Harleen said, "Freida Pinto was one of the first people who asked me, 'Why don't you try acting?' When she was taking dance lessons from me, I would demonstrate and show her how to do it this way, that way. That's how we bonded. She and her sister Shayna are very sweet. I'm a big fan of hers. We used to work together." "I wanted to be a director" - At that time, Harleen wanted to pursue direction instead of acting. She explained, "I wanted to be a director. I specialized in advertising." I always knew I wanted to do something in the performing arts. But since childhood, I wasn't sure what I wanted to do. Then I thought maybe I would direct. A director is the captain of actors. So I thought I'd start my journey from there. Then I started doing a lot of ad films. From there, my journey actually began... behind the camera. Harleen was seen in these projects - Let us tell you that in her acting career of about 13 years, Harleen has appeared in projects like 'Broken But Beautiful', 'Kohra', 'Sultan of Delhi', 'Be Happy' and 'Shaak: Trust No One'.

Mrunal Thakur: "My mother spoiled me," the actress revealed why she used to steal watches from her mother's wardrobe. The reason is special.

Actress Mrunal Thakur is currently in the news for her film "Pooja Meri Jaan." In a recent interview, she revealed that she used to steal watches from her mother's wardrobe. She also explained the reason. Besides her acting, Mrunal Thakur is often in the news for her classic fashion sense. Recently, the actress revealed that she has a deep love for classic watches, a love she inherited from her mother, whom she calls a "classic lady." Why did Mrunal steal watches from her mother's wardrobe? Mrunal explained that she would often steal watches from her mother's wardrobe for special occasions. Speaking to ANI, the actress said, "I think my mother spoiled me because she has always been a classic woman." Many times, I would steal his watch for my most special occasions. The actress was at the launch of the Tissot boutique at DLF Promenade in Vasant Kunj. There, she said that she now plans to incorporate watches from his collection into various occasions, from red-carpet appearances and formal meetings to dinners. Why does Mrinal consider a watch essential? For Mrinal, a watch isn't just a way to check the time. She considers it an essential accessory that helps express her personality and identity and complements her understated style. The actress said, "Your outfit isn't complete without a watch. It adds a little flair. It's very simple, stylish, and yet very classy. If you've seen the way I dress, I always prefer to be minimalist, but I want my accessories to draw attention." What does Mrinal like to keep in her wardrobe? Mrunal further added, "I'm the kind of girl who likes to keep classics in my wardrobe." She included her must-haves as a white shirt, blue denim, gold earrings or solitaires, and a classic watch. Mrunal is currently seen in "Pooja Meri Jaan." Huma Qureshi also plays a key role in the film. The film is directed by Navjot Gulati and produced by Dinesh Vijan and Amar Kaushik. The film released on ZEE5 on October 2, 2026.